WWW.Kanchanujala.in | हिन्दी दैनिक | kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित | सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 256 | लखनऊ, शनिवार, 05 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

कंगना रनौत ने की पीओके से मुंबई की तुलना

कोविड-19 के संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए डोर-टू-डोर सर्वे किए जाएः योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोविड-19 के संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए डोर-टू-डोर सर्वे, कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग तथा मेडिकल टेस्टिंग के कार्य प्रभावी ढंग से संचालित किए जाएं। उन्होंने आई0सी0यू0 बेड्स की संख्या में वृद्धि के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री आज यहां लोक भवन में आहूत एक उच्च स्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोविड-19 से संक्रमित व्यक्ति के समुचित उपचार एवं जीवन रक्षा के लिए उसे शीघ्रता से अस्पताल पहुंचाना आवश्यक है। इसमें प्रभावी सर्विलांस की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देते हुए उन्होंने इस कार्य को तत्परतापूर्वक संचालित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद लखनऊ, कानपुर नगर, वाराणसी, प्रयागराज तथा गोरखपुर में कोविड-19 के संक्रमण को रोकने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। उन्होंने अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा को कल 05 सितम्बर, 2020 को कानपुर नगर जाकर मौके पर जनपद की चिकित्सा व्यवस्था की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य तथा अपर मुख्य सचिव पंचायतीराज एवं ग्राम्य विकास जनपद लखनऊ की स्थिति की समीक्षा करें। लखनऊ की टीम के साथ कुलपति, केजीएमयू तथा निदेशक, एस0जी0पी0जी0आई0 भी रहें। उन्होंने कहा कि जनपद कानपुर नगर तथा लखनऊ में प्रत्येक दशा में संक्रमण का प्रसार नियंत्रित किया जाए। इसके लिए समीक्षा करके कमियां चिन्हित करते हुए उनका निराकरण कराया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जनपद कानपुर नगर की समीक्षा करने वाली टीम 06 सितम्बर, 2020 को जनपद प्रयागराज जाकर स्थिति की समीक्षा करे और कमियों को दूर कराए। उन्होंने कहा कि कारागारों में कोविड-19 के संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं। जेल कर्मियों की भी नियमित जांच की जाए। कैदियों को जेल भेजने से पहले अस्थायी जेल में रखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के दृष्टिगत सचिवालय में प्रवेश हेतु अनावश्यक पास निर्गत न किए जाएं। सचिवालय के प्रवेश पास निर्गत करने की व्यवस्था को सख्त बनाने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सचिवालय में प्रमाणित व्यक्तियों का ही प्रवेश हो। उन्होंने पान, गुटका पर लागू प्रतिबन्ध का सचिवालय परिसर में कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्वरित निर्णय लेकर कार्यों का निस्तारण किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पत्रावली किसी भी दशा में 07 दिन से अधिक लम्बित न रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद जी0एस0टी0 के अन्तर्गत बेहतर राजस्व संग्रह हुआ है। जी0एस0टी0 संग्रह में वृद्धि के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में रजिस्ट्रेशन बढ़ाने पर जोर दिया जाए। व्यापारियों को जी0एस0टी0 रिटर्न भरने के लिए प्रशिक्षित भी किया जाए। बुनकरों की समस्याओं का व्यावहारिक समाधान सुनिश्चित किए जाने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में एक ठोस कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत की जाए।

> कोविड-19 से संक्रमित व्यक्ति के समुचित उपचार एवं जीवन रक्षा के लिए उसे शीघ्रता से अस्पताल पहुंचाना आवश्यक है

कोरोना के दौरान पुलिस का मानवीय चेहरा लोगों के सामने आयाः मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि पुलिस अधिकारियों को अपनी वर्दी के प्रति सम्मान को हमेशा बनाये रखना चाहिए और कोरोना महामारी के दौरान अच्छे काम से पुलिस का मानवीय चेहरा लोगों के सामने आया है जो लंबे समय तक उनके जहन में रहेगा। श्री मोदी ने आज सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में भारतीय पुलिस सेवा के प्रशिक्षुओं की दीक्षांत परेड में वीडियो कांफ्रेन्स से हिस्सा लिया और भविष्य के पुलिस अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस को हमेशा अपनी वर्दी पर गर्व होना चाहिए और इसका दुरूपयोग नहीं किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि अपनी वर्दी का सम्मान कम न होने दें। लोगों ने कोरोना महामारी के दौरान खाकी वर्दी का मानवीय चेहरा देखा है जो कोरोना महामारी के दौरान अच्छे काम के कारण लंबे समय तक उनके जहन में रहेगा। उन्होंने कहा कि अकादमी से बाहर निकलते ही आपकी जिम्मेदारी बढ जायेगी और लोगों का दृष्टिकोण भी आपके प्रति बदल जायेगा। व्यक्ति की आरंभिक छवि जीवन भर उसके साथ रहती है इसलिए अत्यधिक सावधानी के साथ काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि पुलिस अधिकारियों को बारीकी से काम करने पर ध्यान देना होगा इसके लिए काम की बातों पर ध्यान दें और अर्थहीन बातों को नजरंदाज कर देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि अपराध की जांच के समय प्रौद्योगिकी का अधिक से अधिक इस्तेमाल हो लेकिन इसके साथ ही जमीनी स्तर पर खुफिया जानकारी एकत्र करना भी बेहद जरूरी है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को मिशन कर्मयोगी के बारे में भी बताया और कहा कि यह सिविल सेवा में बहुत बड़ा सुधार है।

> पुलिस को हमेशा अपनी वर्दी पर गर्व होना चाहिए और इसका दुरूपयोग नहीं किया जाना चाहिए

सिख दंगों के एक केस में दोषी सज्जन कुमार को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

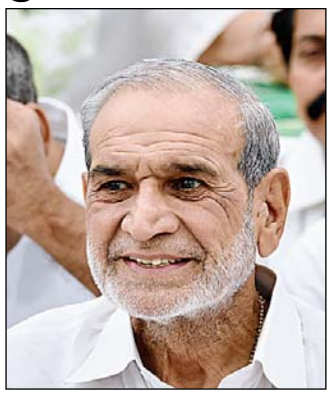

नयी दिल्ली, एजेंसी। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद भड़के 1984 के दिल्ली सिख दंगों के एक मामले में उम्रकैद सजायाफ्ता कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय से राहत नहीं मिली और न्यायालय ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया। पचहत्तर वर्षीय दिल्ली कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे पूर्व सांसद सज्जन कुमार को सिख विरोधी दंगों के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा मिली हुई है और वह मंडोली जेल में बंद हैं। शीर्ष न्यायालय ने आज उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए जमानत देने से इंकार कर दिया और कहा कि उनकी जमानत याचिका पर न्यायालय में सुचारु रूप से कामकाज शुरू होने पर ही सुनवाई की जा सकती है। सज्जन कुमार ने अपनी उम्र और खराब स्वास्थ्य का हवाला देकर मार्च में ही जमानत का अनुरोध किया था। न्यायालय ने उन्हें अस्पताल में रखे जाने का आग्रह भी नहीं स्वीकार किया। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 1984 में उनके सुरक्षा गार्डों के हत्या के बाद दिल्ली समेत देश भर में सिखों के खिलाफ हिंसा भड़की थी। इन्हीं दंगों के एक मामले में पिछले साल दिल्ली उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने निचली अदालत के आदेश को पलटते हुए कांग्रेस नेता सज्जन कुमार और अन्य को दोषी करार दिया था। इस मामले में सज्जन कुमार को उम्रकैद मिली थी। उच्चतम न्यायालय ने सज्जन कुमार को जमानत देने से इनकार करते हुए कहा कि उनकी चिकित्सा रिपोर्ट में कहा गया है कि उनके स्वास्थ्य को देखते हुए फिलहाल उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं है।

सहारनपुर पर मेहरबान हुए योगी, दी करोड़ों की सौगात

सहारनपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सहारनपुर के विकास के लिए करोड़ों रूपयों की योजनाओं को अपनी स्वीकृति दी है। योगी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सहारनपुर के अपने पार्टी विधायकों और अधिकारियों के साथ सहारनपुर की विकास योजनाओं पर बातचीत की। उन्होंने जिले में 1958 करोड़ रूपए की विकास कार्य किए जाने पर अपनी सहमति दी है। उन्होंने शिवालिक वन क्षेत्र में टाइगर रिजर्व बनाने के प्रस्ताव को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि शिवालिक वन क्षेत्र टाइगर रिजर्व बनने से पर्यटक को बढ़ावा मिलेगा। जिलाधिकारी अखिलेश सिंह ने मुख्यमंत्री को बताया कि लोक निर्माण विभाग से जुड़ी 1278 करोड़ रूपए के 11 काम और राजकीय निर्माण निगम से जुड़े 614 करोड़ रूपए के तीन कार्य और जल निगम के 66 करोड़ रूपए के 31 कार्यों को पूरा किया जाना है।

लगातार दूसरे दिन कोरोना के 83 हजार से अधिक नये केस

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना महामारी की विकराल होती स्थिति के बीच लगातार दूसरे दिन संक्रमण के 83 हजार से अधिक नये मामले सामने आये जिससे संक्रमितों की संख्या 39.36 लाख के पार पहुंच गयी हालांकि राहत की बात यह है कि इस दौरान 66 हजार से अधिक लोगों के स्वस्थ होने से सक्रिय मामले 21.11 प्रतिशत रह गये। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 83,341 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 39,36,748 हो गया। इससे एक दिन पहले संक्रमण के 83,883 नये मामले सामने आये थे जो विश्व भर में अब तक की सर्वाधिक दैनिक वृद्धि है। पिछले 24 घंटों के दौरान 66,659 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिससे कोरोना से मुक्ति पाने वालों की संख्या 30,37,152 हो गयी है। स्वस्थ होने वालों की तुलना में संक्रमण के नये मामले अधिक होने से सक्रिय मामले 15,586 बढ़कर 8,31,124 हो गये हैं। देश के केवल आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस दौरान मरीजों की संख्या कम हुई है तथा इस अवधि में 1,096 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 68,472 हो गयी। देश में सक्रिय मामले 21.11 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 77.15 प्रतिशत है जबकि मृतकों की दर 1.74 प्रतिशत है। कोरोना से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 3,726 बढ़कर 2,05,774 हो गयी तथा 391 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 25,586 हो गया। इस दौरान 13,988 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 6,12,484 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 445 बढ़ने से सक्रिय मामले 1,03,521 हो गये।

हिमाचल में 10 से खुलेंगे मंदिर, क्वारंटाइन की अवधि घटाई

शिमला, एजेंसी। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की अध्यक्षता में हिमाचल प्रदेश की मंत्रिमंडल की बैठक आज आयोजित की गई। बैठक प्रदेश के मई महत्वपूर्ण मुद्दों पर मंत्रिमंडल् ने निर्णय लिए हैं। जैसा कि उम्मीद थी इस केबिनेट बैठक में प्रदेश के धार्मिक स्थलों को फिर से खाले जाने को लेकर निर्णय लिया जा सकता है, वैसा ही हुआ है। मंत्रिमंडल ने 10 सितंबर से प्रदेश के मंदिरों को खोलने का निर्णय लिया है। वहीं प्रदेश में अब तक 14 दिन तक क्वारंटाइन रहना पड़ता था, अब उसे घटाकर 10 दिन कर दिया गया है। इसके साथ ही बैठक में यह निर्णय किया कि 15 सितंबर, 2020 तक राज्य में प्रवेश करने वालों का पंजीकरण जारी रहेगा। मंत्रिमंडल ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत आयकर पाने वाले एपीएल उपभोक्ताओं को आटा और चावल उपलब्ध कराने का निर्णय किया।

होकर रहेगी जेईई और नीट की परीक्षा

एससी ने 6 गैर-भाजपा शासित राज्यों की पुनर्विचार याचिका की खारिज

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने नीट और जेईई की प्रत्यक्ष परीक्षा के आयोजन की अनुमति देने संबंधी 17 अगस्त के आदेश पर पुनर्विचार के लिये गैर-भाजपा शासित छह राज्यों के मंत्रियों की याचिका सहित सारी याचिकायें शुक्रवार को खारिज कर दीं। न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की पीठ ने पुनर्विचार याचिका पर अपने चौंबर में विचार किया और न्यायालय में सुनवाई के लिये इसे सूचीबद्ध करने का अनुरोध अस्वीकर कर दिया। पीठ ने अपने आदेश में कहा, ''पुनर्विचार याचिकायें दायर करने की अनुमति संबंधी आवेदनों को अनुमति दी जाती है। हमने पुनर्विचार याचिकाओं और इससे संबंधित दस्तावेजों का सावधानी से अध्ययन किया और हमें पुनर्विचार याचिका में कोई तत्व की बात नहीं मिली। तद्नुसार इसे खारिज किया जाता है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेन्सी (एनटीए), जो दोनों परीक्षाओं का आयोजन करती है, जेईई मुख्य परीक्षा एक से छह सितंबर तक आयोजित कर रही है जबकि नीट की परीक्षाओं का आयोजन 13 सितंबर को होगा। पुनर्विचार याचिकाओं में एक याचिका छह राज्यों के मंत्रियों की भी थी।

महिला अपराध के आंकड़े छिपाना योगी सरकार को पड़ेगा बहुत महंगाः प्रियंका गांधी

लखनऊ, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में महिला अपराध की बढ़ती घटनाये चिंता का विषय है और इस मामले में आंकड़े छिपाने वाली सरकार को अपना चेहरा छिपाना मुश्किल हो जायेगा। वाड्रा ने फेसबुक पोस्ट पर लिखा '' लखीमपुर में पिछले 20 दिनों के भीतर तीसरी घटना। तीन साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या। कौशांबी में भी रेप के बाद हत्या। अयोध्या में बस में रेप। महिलाओं पर अपराध बढ़ रहे हैं और यूपी सरकार आंकड़ें छिपा रही है। यही गति रही तो सरकार को अपना चेहरा छिपाना मुश्किल हो जाएगा। पूरा जंगलराज बना दिया है।इससे पहले कांग्रेसी नेता ने एसएससी सीजीएल परीक्षाओं को लेकर एक रिपोर्ट का हवाला देते हुये उत्तर प्रदेश सरकार पर आरोप लगाया कि 2017 में एसएससी सीजीएल की भर्तियों में अभी तक नियुक्ति नहीं हुयी है।

चुनाव से ठीक पहले जांच आयोग का बड़ा खुलासा

मुख्यमंत्री नीतीश की हत्या की साजिश के तहत हुआ था हमला

बक्सर, एजेंसी। 18 अप्रैल 2018 को घटी एक खौफनाक घटना को बिहार के इतिहास में काले अक्षरों से लिखा जाएगा। जी हां इसी दिन बक्सर के नंदन गांव में सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर लोगों ने बोल दिया था जानलेवा हमला। नीतीश कुमार गांव में विकास कार्यों का जमीनी लेभल पर जायजा लेने गए थे। जिला प्रशासन और खुफिया विभाग तक को इस बात का इल्म नहीं था कि गांव में कुछ लोग कितना खतरनाक मंसूबा पाले हुए हैं लेकिन जब ईंट और पत्थर की बारिश शुरू हो गई तो अधिकारियों के कान खड़े हो गए। सड़क के दोनों किनारे से लोग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के काफिले पर ईंट और पत्थर से हमला करने लगे। इस हमले में कई लोग घायल हो गए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की गाड़ी के ऊपर भी पत्थरों की भारी बरसात की गई थी। इस पत्थरबाजी में मुख्यमंत्री को प्रोटेक्शन दे रहे कई गार्ड घायल हो गए थे। बड़ी मुश्किल से पुलिस ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की इस हमले में रक्षा की थी। इस घटना के दौरान चारों तरफअफरा तफरी और भगदड़ का माहौल था। अधिकारी किसी तरह से सीएम नीतीश कुमार के काफिले को सुरक्षित निकालने में लगे थे। वहीं सरपट दौड़ती हुई गाड़ियों पर भी लोग पत्थरों की बरसात कर रहे थे। घातक हमले के इन तस्वीरों को भूलना नामुमकिन है। 18 अप्रैल 2018 को हुए इस बर्बर और घातक हमले की जांच के लिए एक आयोग का गठन किया गया था। इस जांच आयोग के अध्यक्ष विद्यानंद विकल ने अब एक बड़ा खुलासा किया है, वर्तमान में विकल राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

राहुल गांधी ने साधा प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना, कहा

देश में 12 करोड़ रोजगार गायब

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर तीखा हमला करते हुए आज कहा कि इस सरकार में अर्थव्यवस्था, देश की सुरक्षा और नागरिकों की खुशहाली सहित सब कुछ गायब हो गया है और जब इन सब स्थितियों को लेकर सवाल पूछते है तो जवाब भी गायब होते हैं। गांधी ने कहा देश में 12 करोड़ रोजगार गायब, पांच लाख करोड डालर की अर्थव्यवस्था गायब, आम नागरिक की आमदनी गायब, देश की खुशहाली और सुरक्षा गायब, सवाल पूछो तो जवाब गायब और विकास भी गायब है। उन्होंने शुक्रवार को सुबह एक और ट्वीट में सरकार पर बेरोजगारी को लेकर हमला किया और उससे लोगों को रोजगार देने तथा परीक्षाएं सही तरीके से कराने और समय पर परीक्षा परिणाम घोषित कर युवाओं की समस्या का समाधान करने का सरकार से आग्रह किया। इससे पहले राहुल गांधी ने बेरोजगारी की स्थिति और कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) तथा कुछ अन्य परीक्षाओं के परिणाम में कथित विलंब को लेकर शुक्रवार को सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सरकार को युवाओं के रोजगार से जुड़ी इन समस्याओं का समाधान करना चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया, मोदी सरकार, रोजगार, बहाली, परीक्षा के परिणाम दो, देश के युवाओं की समस्या का समाधान दो। इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने ट्वीट कर कहा, 2017- एसएससी सीजीएल (संयुक्त स्नातक स्तर) की भर्तियों में अभी तक नियुक्ति नहीं हुई।

अस्पताल की दूसरी मंजिल से कूदा कोरोना मरीज, मौत

जबलपुर, एजेंसी। जबलपुर के मेडिकल सुपर स्पेशलिटी वार्ड से कोरोना पॉजिटिव ने कूदकर जान दे दी। मरीज की मौत के बाद अस्पताल में हड़कंप मचा हुआ है। कोरोना संक्रमित मरीज को कुछ दिन पहले ही अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इससे पहले भी दो कोरोना पॉजिटिव मरीजों ने मेडिकल अस्पताल से कूदने प्रयास कर चुके हैं। इसके बाद से ही अस्पताल प्रशासन पर लगातार सवाल उठ रहे थे।जानकारी के अनुसार, 64 वर्षीय प्रमोद सोनकर को कुछ दिन पहले ही अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसने शुक्रवार सुबह अस्पताल की दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी। जिससे मौके पर ही कोरोना पेशेंट की मौत हो गई। आपको बता दें कि इससे पहले भी दो कोरोना मरीजों ने अस्पताल की खिड़की से कूदकर भागने की कोशिश की थी।

एक दूसरे के साथ रणकौशल के गुर साझा करेंगी भारत-रूस की नौसेना

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मास्को यात्रा के बीच रूस और भारत की नौसेना आज से बंगाल की खाड़ी में दो दिन तक नौसैनिक अभ्यास 'इन्द्र नेवी' में एक दूसरे के साथ रण कौशल संबंधी गुर साझा करेंगी। श्री सिंह अभी तीन दिन की यात्रा पर रूस गये हुए हैं। उन्होंने गुरूवार को ही अपने रूसी समकक्ष जनरल सर्गेई शोइगू के साथ द्विपक्षीय बातचीत की जिसमें दोनों पक्षों ने विभिन्न क्षेत्रों में रक्षा सहयोग को बढाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। वर्ष 2003 के बाद से हर दो वर्ष में होने वाला यह अभ्यास दोनों नौसेनाओं के बीच दीर्घकालिक सामरिक संबंधों का प्रतीक है। समय के साथ साथ इस अभ्यास में परिपक्वता आयी है और इसका दायरा तथा विभिन्न अभियानों की जटिलता के साथ साथ इसमें शामिल किये जाने वाले प्लेटफार्म की हिस्सेदारी भी बढी है। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच चले आ रहे परस्पर तालमेल तथा विभिन्न अभियानों के लिए आपसी समझ को और बढाना है। इस अभ्यास के दौरान कुछ अन्य समुद्री अभियानों को भी शामिल किया गया है हालाकि कोरोना महामारी के कारण इस बार यह अभ्यास केवल समुद्र तक ही सीमित रखा गया है और दोनों पक्षों के नौसैनिक समुद्र के बाहर जमीन पर मिलकर अभ्यास नहीं करेंगे। भारतीय नौसेना की ओर से अभ्यास में मिसाइल विध्वंसक रणविजय , स्वदेशी फ्रिगेट सहयाद्री और फ्लीट टेंकर शक्ति अपने हेलिकॉप्टर के साथ हिस्सा लेंगे। इस बीच सहयाद्री को श्रीलंका के निकट आग की चपेट में आये व्यापारिक जहाज एमटी न्यू डायमंड को सहायता पहुंचाने के लिए भेजा गया है। रूस की ओर से विध्वंसक एडमिरल विनोग्रेडोव , एडमिरल ट्रिबूट और फ्लीट टैंकर बोरिस बुटोमा अभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं। दोनों नौसेनाओं के बीच पिछला अभ्यास वर्ष 2018 में विशाखापतनम में हुआ था।

> अपने रूसी समकक्ष जनरल सर्गेई शोइगू के साथ द्विपक्षीय बातचीत की जिसमें दोनों पक्षों ने विभिन्न क्षेत्रों में रक्षा सहयोग को बढाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की

बिहार विधानसभा चुनाव के साथ होंगे विभिन्न राज्यों की 65 सीटों पर उपचुनाव

नई दिल्ली/पटना, एजेंसी। चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव के समय ही विभिन्न राज्यों की 65 सीटों के लिए उपचुनाव कराने का फैसला किया है। आयोग ने शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति में कहा कि विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं की 64 सीटों और एक संसदीय सीट पर उपचुनाव बिहार विधानसभा चुनाव के साथ ही कराए जाएंगे। गौरतलब है कि 29 नवंबर से पहले बिहार विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी होनी है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि आज इन सीटों के उपचुनाव के बारे में आयोग की बैठक हुई और उसमें विभिन्न राज्यों के मुख्य सचिव, मुख्य चुनाव अधिकारियों आदि की रिपोर्ट और सुझाव पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही वहां होने वाली बारिश के अलावा कोविड-19 को भी ध्यान में रखकर यह फैसला किया गया।

समाज के कमजोर वर्गो के प्रति भाजपा सरकार का रवैया उपेक्षा और संवेदनशून्यता का: अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में समाज के कमजोर वर्गों, किसानों, बुनकरों के प्रति भाजपा सरकार का रवैया उपेक्षा और संवेदन शून्यता का है। पता नहीं क्यों भाजपा जनहित पर ध्यान देने के बजाए जनता को उत्पीड़न का शिकार बनाने में ज्यादा रूचि लेती है। सत्ता में आए साढ़े तीन साल बीत गए जनता को कल्याण की एक भी योजना वह लागू नही कर पाई बस पूरे समय तक वह समाजवादी सरकार के अच्छे कामों को नकारने और दिखावे में उन्हें अपना बताने की कवायद ही करती रही है। उस समय के अच्छे निर्णयों को उलटने और बनी बनाई व्यवस्था को बिगाड़ने की ही उसकी नीयत रही है। समाजवादी सरकार ने अपने कार्यकाल में बुनकरों के कल्याण और उनकी आर्थिक मजबूती के लिए बिजली फ्लैट रेट पर देने का निर्णय लिया था। बुनकर इस व्यवस्था से लाभान्वित हो रहे थे। भाजपा सरकार को बुनकरों को मिल रही यह सुविधा पसंद नहीं आई। उसने जनवरी 2020 से यह सुविधा ही खत्म कर दी। नए वर्ष पर लोग सुख-समृद्धि की कामना करते हैं, भाजपा ने नववर्ष के पहले दिन से ही बुनकरों की खुशियां छीन ली। बुनकरों में जब इसकी तीव्र प्रतिक्रिया हुई तो 31 जुलाई तक फ्लैट रेट पर बिजली देने का फैसला तो सुना दिया लेकिन भाजपा की मंशा कुछ अच्छी नहीं लगती है। उसने 1 अगस्त 2020 से नई व्यवस्था करने का इरादा भी जता दिया है। हैंडलूम, पावरलूम के अच्छे खासे व्यवसाय को चौपट करने में भाजपा की सक्रियता निहायत घटिया मानसिकता का प्रदर्शन है। बुनकरों को पुराने बकाये के नाम पर आज भी प्रताड़ित किया जा रहा है। भाजपा अपने आरएसएस एजेंडा के तहत ऐसा कर रही है। अब तक एक यूनिट भी बिजली उत्पादन न करने वाली भाजपा सरकार को जनसामान्य को किसी न किसी तरह परेशान करने में विशेष आनंद आता है। और कुछ नही तो पावर कारपोरेशन ने बिजली दरों में स्लैब परिवर्तन का ही इरादा कर लिया है। पहले उनके प्रयास सफल नहीं हुए तो अब नए सिरे से बिजली दरें बढ़ाने की साजिशें की जा रही है। 4 किलोवाट का बिजली का फिक्स चार्ज अबतक 330 रूपए प्रतिमाह था भाजपा सरकार के इशारे पर पावर कारपोरेशन अब इसे 360 रूपए करने का प्रस्ताव ले आया है। यह उपभोक्ताओ के साथ धोखा है। जनता के साथ भाजपा सरकार ने स्मार्ट मीटर के नाम पर भी खेल किया। इसकी खरीद में तो घोटाला हुआ ही, इसकी गुणवत्ता पर भी संदेश है। मुख्यमंत्री जी भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टालरेंस की बात करते है पर स्मार्ट मीटर से स्पीड जम्पिंग के जरिए उपभोक्ताओं की खुली लूट पर रोक लगाने में किसी ने दिलचस्पी नहीं ली। समाजवादी पार्टी ने वर्तमान नाजुक हालात में आर्थिक कठिनाइयों में गुजर रहे उपभोक्ताओं के 6 माह के बिजली बिल माफ करने और किसानो के ट्यूबवेलो से सभी प्रकार के मीटर हटाकर पहले की तरह ही व्यवस्था बहाली की मांग की है। समाजवादी पार्टी ने अपने कार्यकाल में बिजली उपभोक्ताओं को कई सुविधाएं दी थी। समय से पर्याप्त बिजली आपूर्ति और त्वरित समाधान होता था। भाजपा राज में बिजली से कई मौतें हो रही है। भाजपा जनता को सिर्फ बदहाली, तबाही ही दे सकती है।

हाई कोर्ट: 04 सप्ताह में सीआईसी चुनें, या मुख्य सचिव व्यक्तिगत हलफनामा दें

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर द्वारा उत्तर प्रदेश सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त के रिक्त पद को भरे जाने के संबंध में दायर याचिका में राज्य सरकार ने आज इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच को पुनः कहा कि विधान सभा में विपक्ष के नेता राम गोविन्द चौधरी अस्वस्थ हैं, जिस कारण विलंब हो रहा है,इस जानकारी को गलत पाते हुए जस्टिस पंकज कुमार जायसवाल तथा जस्टिस दिनेश कुमार सिंह की बेंच ने इसे अस्वीकार कर राज्य सरकार को 04 सप्ताह में प्रत्येक दशा में मुख्य सूचना आयुक्त का पद भरे जाने के निर्देश दिए. कोर्ट ने कहा कि यदि निर्धारित अवधि में नियुक्ति नहीं होती है तो मुख्य सचिव को कोर्ट के समक्ष अपना व्यक्तिगत शपथपत्र देना पड़ेगा, नूतन ने उनके द्वारा पूर्व में दायर एक अन्य याचिका में कोर्ट द्वारा राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों का पूर्ण पालन करते हुए यथाशीघ्र रिक्ति भरने के निर्देश का पालन कराने की प्रार्थना की है।

रेप के आरोपी पूर्व खनन मंत्री गायत्री प्रजापति को 2 महीने की मिली जमानत

लखनऊ, संवाददाता। गैंगरेप के आरोपी उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति को शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने दो महीने की अंतरिम जमानत दी है। लखनऊ के किंग जार्ज मेडिकल कॉलेज में भर्ती गायत्री प्रसाद प्रजापति ने कोरोना वायरस संक्रमण का हवाला देकर जमानत की याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति वेद प्रकाश वैश्य ने मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति को मेडिकल ग्राउंड पर शुक्रवार से दो महीने से लिए अंतरिम जमानत दे दी है। न्यायालय ने उनको दो-दो लाख रुपये के दो जमानती और पांच लाख के निजी मुचलके पर जमानत दी है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने उसे पीड़ित और उसके परिवार के सदस्यों पर दबाव बनाने या प्रभावित नहीं करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने आदेश दिया है कि वह अंतरिम जमानत के दौरान देश छोड़कर बाहर नहीं जाएंगे। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश की पूर्व समाजवादी सरकार में काबीना मंत्री रहे गायत्री प्रजापति पर साल 2017 में लखनऊ के गौतमपल्ली पुलिस स्टेशन में नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज हुआ था। इस केस में 3 जून, 2017 को गायत्री के अलावा छह अन्य पर चार्जशीट दाखिल की गई थी, जिसके बाद 18 जुलाई, 2017 को लखनऊ की पॉक्सो स्पेशल कोर्ट ने सातों आरोपियों पर पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया था।

अखिलेश ने निधन पर गहरा शोक जताया

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लखनऊ महानगर समाजवादी पार्टी के पूर्व अध्यक्ष मुकेश शुक्ला की माताजी कमलेश शुक्ला के निधन पर गहरा शोक जताते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। कमलेश शुक्ला (72 वर्ष) का 4 सितम्बर 2020 को हृदयगति रूकने से निधन हो गया। आज उनकी अंत्येष्टि वैकुठधाम, लखनऊ में हुई। अखिलेश यादव ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

राज्यसभा की सीट पर भाजपा के सैयद जफर इस्लाम निर्विरोध निर्वाचित

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के अमर सिंह के निधन से रिक्त राज्यसभा की सीट पर भारतीय जनता पार्टी के नेता सैयद जफर इस्लाम निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला के नाम वापस लेने के बाद उनका निर्विरोध निर्वाचन हो गया है। इनका कार्यकाल नवंबर 2022 तक रहेगा। मध्य प्रदेश के कद्दावर नेता तथा भाजपा से राज्यसभा सदस्य ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेहद करीबी सैयद जफर इस्लाम ने सात वर्ष पहले भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। उत्तर प्रदेश से भाजपा ने उनको राज्यसभा भेजा है। कोरोना संक्रमण से पीडित सैयद जफर इस्लाम नई दिल्ली के एम्स में भर्ती हैं। उनका नामांकन उत्तर प्रदेश के संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने किया है। इसके बाद भाजपा ने प्रदेश महामंत्री गोविंदनारायण का भी नामांकन कराया था। गोविंद नारायण के आज नाम वापसी के अंतिम दिन पर्चा वापस लेने के बाद सैयद जफर इस्लाम का निर्विरोध निर्वाचन हो गया है। जफर इस्लाम भाजपा के प्रवक्ता और मीडिया के लिए जाना-माना चेहरा हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश के दिग्गज ज्योतिरादित्य सिंधिया को कांग्रेस से लाकर भाजपा में शामिल होने की सभी प्रक्रियाओं को बेहद सुगम बनाया था। राजनीति में आने से पहले जफर इस्लाम एक विदेशी बैंक के लिए काम किया करते थे। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुए थे। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की खाली सीट पर निर्विरोध निर्वाचित सैयद जफर इस्लाम भारतीय जनता पार्टी के सातवें मुस्लिम सांसद हैं। वह पिछले सात वर्ष से भाजपा ने जुड़े हुए हैं।

एक लाख घूस मांगने का आरोप साबित कार्यवाही शून्य

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने भ्रष्टाचार के प्रमाणित मामले में लीपापोती किये जाने का मामला सामने रखा है,मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजी शिकायत में उन्होंने कहा कि रेडियो निरीक्षक नॉएडा महिपाल सिंह की पत्नी ने डीआईजी रेडियो अनिल कुमार पर बिना रिश्वत कोई काम नहीं करने, मुफ्तखोरी करने, 1 लाख रुपये घूस मांगने आदि के गंभीर आरोप लगाये थे. आईजी ट्रैफिक से इसकी जाँच कराने जाने पर अनिल कुमार अवैध धनराशि की मांग करने के आरोप के दोषी पाए गए थे,नूतन के अनुसार इसके बाद भी सरकार ने अपने आदेश दिनांक 19 मई 2020 द्वारा उन्हें उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक अनुशासन एवं अपील नियमाली के नियम 10 में लघु दंड का नोटिस दिया, जबकि घूस मांगने का आरोप प्रमाणित होने पर अनिल कुमार के खिलाफ एफआईआर तथा उनकी बर्खास्तगी होनी चाहिए थी।

मायावती ने भाजपा सरकार पर ब्राह्मण, दलित और मुसलमानों के उत्पीड़न का आरोप लगाया

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने शुक्रवार को पूर्व की समाजवादी पार्टी सरकार पर ब्राह्मणों व दलितों और वर्तमान की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर मुसलमानों के उत्पीड.न का आरोप लगाते हुये इस पर दुख जताया है। बसपा नेता ने अपने एक ट्वीट में कहा, सपा सरकार में जैसे ब्राह्मणों व दलितों का चुन-चुन कर उत्पीड़न किया गया था तो अब वैसे ही वर्तमान भाजपा सरकार में भी इनके साथ-साथ मुसलमानों का भी काफी उत्पीड़न किया जा रहा है। इनको जबरन् गलत मामलों में फँसाया जा रहा है, जो अति दुःखद (है)। मायावती ने अपने दूसरे ट्वीट में कहा, साथ ही, जिस प्रकार से सपा सरकार में दलितों के मसीहा बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर व इनके महान सन्तों व गुरुओं की मूर्ति तोड़ी गई तथा उनके नाम पर रखे गये जिलों व संस्थानों आदि के नाम भी काफी बदल दिये गये। उन्होंने अपने तीसरे ट्वीट में कहा, ठीक उसी प्रकार से अब वर्तमान भाजपा सरकार भी चल रही है। अब तो उनके मसीहा बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की भी मूर्ति तोड़ी जा रही है, जिसकी पहले वाराणसी की व अब जौनपुर की घटना अति-निन्दनीय। सरकार इस मामले में उचित कदम उठाये। बी.एस.पी की यह माँग (है)।

युवक ने किचन में आग लगाकर की आत्महत्या, तेज धमाके के साथ फटा सिलेंडर, शरीर के उड़े चीथड़े

लखनऊ, संवाददाता। आशियाना क्षेत्र के रजनीखंड में अभिषेक भारद्वाज (35) ने गुरुवार देर रात खुद को किचन में बंद कर आग लगा ली। आग की तपिश से धमाके के साथ सिलेंडर फट गया और अभिषेक की मौत हो गई। विस्फोट से अभिषेक के चीथड़े उड़ गए। दमकल कर्मियों ने दो गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया। इसके बाद शव को बाहर निकाला। रजनीखंड निवासी अभिषेक भारद्वाज कई सालों से अकेले रह रहे थे। गुरुवार देर रात अभिषेक ने खुद को किचन में बंद करके सिलेंडर में आग लगा ली। किचन से आग की लपटें और चीख-पुकार सुनकर आस पड़ोस के लोग दौड़े। उन्होंने पानी फेंककर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। आग बेकाबू होते देख लोगों ने दमकल और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर इंस्पेक्टर आशियाना और एसीपी कैंट बीनू सिंह मौके पर पहुंची। उधर, दमकल कर्मियों ने दो गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाना शुरू किया। इस बीच तेज धमाके के साथ सिलेंडर फट गया। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। इसके बाद ही दमकल कर्मी अंदर पहुंचे। उन्होंने किचन से अभिषेक का क्षत विशत शव को बाहर निकाला। पुलिस ने पड़ताल के दौरान घर में रखी टेबल से एक सुसाइड नोट बरामद किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अभिषेक की पत्नी की कई साल पहले मौत हो गई थी। सुसाइड नोट में उसने ससुरालजनों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। इसके साथ ही अभिषेक ने सुसाइड नोट में अपनी मर्जी से आत्महत्या करने की बात कही है। सुसाइड नोट के आधार पर सभी बिंदुओं की पड़ताल की जा रही है।

एक ईबादतगाह जो पैगंबर मुहम्मद के समय की मस्जिद जीरार साबित होगी: आफाक

लखनऊ, संवाददाता। उम्मत को हर दौर में परीक्षा में शामिल किया गया है, लेकिन मोमिनीन उस परीक्षा में कामयाब हुए। लेकिन वर्तमान में जिस मस्जिद का निर्माण समाचार और इंटरनेट पर किया जा रहा है उम्मत का कोई भी इंसान उनके पास नहीं जायेगा। और न ही उसे किसी तरह का एलान की विपक्ष ने घोषणा की है। इस संबंध में, मुस्लिम उम्मत ने सर्वसम्मति से फैसला किया है कि जब उन्हें बाबरी मस्जिद नहीं दी गई है, तो बदले में किसी अन्य मस्जिद में कोई दिलचस्पी नहीं है। जो लोग इस ईबादतगाह के लिए दान इकट्ठा कर रहे हैं, बैंक खाते खोल रहे हैं और इस नाम पर दान एकत्र कर रहे हैं वे एक अत्यंत निंदनीय कार्य कर रहे हैं, क्योंकि अल्लाह सर्वशक्तिमान ने मुसलमानों को किसी भी तरह की ऐसी इबादत से दूर रखा है जो एकता को सर्वसम्मति बनाए रखने के बजाय, इसके माध्यम से एक राजनीतिक खेल खेला जा रहा है। ऐसी स्थिति में, यह मुस्लिम उम्मत पर मस्जिद-ए-जेरार से दूर रहने और अल्लाह की खुशी के लिए इसके लिए विशेष प्रार्थना करने की पेशकश पर अवलंबित है।

दुगांवा में अतिक्रमण हटाने गयी नगर निगम की टीम के साथ अभद्रता

मलबा और गंदगी हटाने गयी नगर निगम की महिला अभियन्ता से अभद्रता

लखनऊ, संवाददाता। स्वच्छता अभियान के प्रति जागरूक नगर निगम की टीम शहर में गंदगी, मलबा, कूड़ा आदि हटाने का अभियान चला रही है। इसके अन्तर्गत शुक्रवार को जोन एक के अन्तर्गत नाका थाना क्षेत्र में हरी नगर दुगांवा की गलियों में अभियान चलाया गया।

दुगांवा के हरीनगर में निर्माणाधीन मकान के आगे पड़े मलबे को हटाने में विवाद हो गया। मकान मालिकों ने मलबे को हटाने का विरोध और गाली-गलौज की। साथ ही जोन एक की महिला अवर अभियन्ता के साथ बदतमीजी और अभद्रता की। पर्यवेक्षक ने बताया कि उनकी नोट बुक को दबंगों ने छीन कर फाड़ दिया। मौके पर नगर आयुक्त अजय द्विवेदी भी अन्य अधिकारियों सहित पहुंच गये। दुगांवा चौकी प्रभारी अखिलेश कुमार ने बताया कि नगर आयुक्त के निर्देश पर अवर अभियन्ता द्वारा एफआईआर नाका थाने में दर्ज करा दी गयी है। तथा दो लोगों को हिरासत में ले लिया गया है। स्थानीय पार्षद के अनुसार मामला उनके संज्ञान में है और नगर निगम द्वारा भी उचित कार्यवाही की जा रही है।

डिप्टी सीएम के रिश्तेदार से मोबाइल फोन छीनकर फरार हुए बाइक सवार बदमाश

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में बाइक सवार बदमाशों के आये दिन हौसले बुलंद देखने को मिल रहे हैं। साथ बदमाश आये दिन सड़कों पर निकलने वाले लोगों को निशाना बनाकर उनके साथ लूटपाट की वारदातों को अंजाम देकर फरार हो जा रहे हैं। वहीं बदमाशों इस बार एक ऐसे व्यक्ति को निशाना बनाया है जो अपने आपको डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा का रिश्तेदार बताने वाले योगेंद्र शर्मा नामक युवक से बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल फोन लूट कर फरार हो गए। जिसके बाद इस घटना की जानकारी लगते ही हड़कंप मच गया। पुलिस ने आनन-फानन में पीड़ित की तहरीर पर एफआईआर लिखकर लुटेरों की तलाश कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, नेवी में अधिकारी योगेंद्र शर्मा से देर रात बाइक सवार बदमाशों ने उनका मोबाइल फोन लूट लिया। बदमाशों ने मोबाइल उस समय लूटा जब योगेंद्र थाना विभूतिखंड स्थित कठौता चौराहा के पास सड़क के किनारे खड़े थे। इसी दौरान बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया। हालांकि, घटना उस क्षेत्र में हुई है। जो लखनऊ का सबसे पॉश इलाका माना जाता है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आस-पास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। लेकिन अभी बदमाशों का पता नहीं चल सका है। पीड़ित योगेश शर्मा अपने आपको डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा का रिश्तेदार बताया है। योगेंद्र शर्मा के मुताबिक, अपने घर से टहलने के लिए निकले थे। विभूतिखंड के कठौता के पास खड़े होकर मोबाइल पर किसी से बात करना चाह रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार से 2 लोग बाइक से आए और एप्पल का मोबाइल फोन छीन कर फरार हो गए। हमने पुलिस को सूचना देते हुए विभूतिखंड थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। डीसीपी पूर्वी चारू निगम के मुताबिक, योगेंद्र शर्मा जोकि गोमती नगर में रहते हैं। विभवखंड में खड़े हुए थे। इस दौरान आरोप है कि बाइक सवार बदमाशों ने उनका एप्पल का आईफोन छीन लिया है और धमका कर भाग गए हैं। मामले की तहरीर ले ली गई है, मुकदमा लिखा जा रहा है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। फिलहाल बदमाशों को सीसीटीवी से ट्रैक करने की कोशिश कर रहे हैं।

वर्चुअल शिक्षक दिवस मनाया गया

लखनऊ, संवाददाता। कोविड-19 प्रोटोकाल के चलते शिक्षक दिवस की पूर्व सन्ध्या पर सेंट जोसेफ ने आनलाइन वर्चुअल रूप में शिक्षक दिवस मनाया। इस अवसर पर बच्चों ने अपने ही घरों से अपने शिक्षकों को बधाइयां दी। शिक्षकों के सम्मान में उन्होनें कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भी कवितायें और स्पीच के माध्यम से शिक्षक दिवस की शुभकामनायें प्रदान की। इस अवसर पर सेंट जोसेफ समूह ही संस्थापक चेयर पर्सन पुष्पलता अग्रवाल ने सभी को शिक्षक दिवस की शुभकामनायें प्रदान की। प्रबन्ध निदेशक अनिल अग्रवाल बच्चों द्वारा अपने घरों से प्रस्तुत किये कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होने बताया कि पॉच सितम्बर को कोविड-19 प्रोटोकाल के साथ शिक्षकों के साथ वास्तविक शिक्षक दिवस मनाया जायेगा और उनको सम्मानित किया जायेगा।

अतिक्रमण मुक्त होंगे शहर के अस्पताल सिविल के पास चलाया गया अभियान

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के सभी अस्पतालों के आस-पास का क्षेत्र अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। आज से इसकी शुरूआत भी हो गई है। जेसीपी और डीसीपी सेंट्रल के नेतृत्व में आज सिविल अस्पताल के आस-पास किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया। इस दौरान कई थानों की पुलिस फोर्स और पीएसी भी मौके पर मौजूद रही। अभियान का नेतृत्व कर रहे जेसीपी लॉ एण्ड ऑर्डर नवीन अरोड़ा ने बताया कि राजधानी के 24 अस्पतालों को चिन्हित किया गया है। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट ने अस्पतालों के आस-पास भीड़ और अतिक्रमण कम करने का निर्णय लिया है। अगले कुछ दिनों तक समय-समय पर यह अभियान चलता रहेगा। मरीजों और स्थानीय नागरिकों की समस्या को ध्यान में रखकर इस अभियान की शुरूआत की गयी है। जेसीपी ने बताया कि अतिक्रमण हटने से जहां अस्पतालों के पास संक्रमण का खतरा कम होगा, वहीं मरीजों और तीमारदारों को भी भीड़ से भी मुक्ति मिलेगी। स्थानीय पुलिस इस अभियान की कमान संभालेगी।

मुख्यमंत्री तक शिकायत के बाद भी बरेली स्मार्ट सिटी परियोजना में अफसरों की चहेती हनीवेल को काम

डीपीआर, टेंडर की शर्तें, तारीखें बदली चहेती कंपनी के लिए, महापौर का विरोध दरकिनार

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में स्मार्ट सिटी परियोजना पर अफसरों ने ग्रहण लगा दिया है। बरेली स्मार्ट सिटी परियोजना में अफसरों की मनमानी के खिलाफ भाजपा संगठन और महापौर तक खुल कर मैदान में उतर आए हैं। मुख्यमंत्री तक शिकायत पहुंचाई गयी है पर इन सबको दरकिनार बरेली नगर निगम प्रशासन ने अपनी चहेती कंपनी हनीवेल पर मुहर लगा दी है। हैरत की बात है कि उस हनीवेल कंपनी को स्मार्ट सिटी का काम दिया गया है जिसने परियोजना के लिए रिक्वेस्ट फार कोटेशन (आरएफक्यू) में मांगी गयी जरुरतों को भी पूरा नहीं किया गया है। समूची टेंडर प्रक्रिया को देखने के बाद पता चलता है कि आरएफक्यू में मांगी गयी सेवाओं व उत्पादों के मानकों पर हनीवेल न तो खरी उतरती थी और नहीं इसने इनका जिक्र ही किया। इन सब बातों को दरकिनार कर बरेली नगर निगम ने उस कंपनी के हाथों प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट स्मार्ट सिटी का काम सौंप दिया जिसने अपेक्षाकृत घटिया क्वालिटी के उत्पादों का उपयोग, आपूर्ति का दावा किया है। हनीवेल को काम देने पर आमादा अफसरों की ढिठाई का आलम यह है कि देश की जानी मानी कंपनियां तक बरेली स्मार्ट सिटी परियोजना की टेंडर प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकी हैं। अपनी पंसदीदा पर कई विवादों में घिरी कंपनी को काम देने पर उतारु अफसरों ने बरेली स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत 180 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इंटीग्रेटेड कमांट कंट्रोल सेंटर के लिए न केवल टेंडर की शर्तें बदल दीं बल्कि तारीख भी कई बार आगे बढ़ाई और भुगतान की शर्तों तक में फेरबदल किया। इतना ही नहीं अपने पंसद की कंपनी को ही काम मिले इसके लिए इस परियोजना की डीपीआर में हेरफेर कर डाला और उसे अनुमोदन के लिए अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) को भेज दिया। एएमयू ने न केवल डीपीआर के अनुमोदन से इंकार किया बल्कि विरोध में एक कड़ा पत्र भी बरेली नगर निगम को भेज दिया। हैरत की बात है कि एएमयू, खुद अपने निर्वाचित महापौर सहित भाजपा संगठन की तमाम शिकायतों को किनारे रख बरेली नगर निगम के अफसरों ने मनमर्जी के साथ टेंडर करा डाला। नगर निगम की कारस्तानी के चलते स्मार्ट सिटी के इस महत्वपूर्ण काम के टेंडर में देश की तमाम जानी मानी कंपनियां हिस्सा तक नहीं ले सकीं। टेंडर प्रक्रिया सर आम घटिया काम व उत्पाद के लिए जानी जाने वाली कंपनी को ही सबसे कम बोली लगाने वाला घोषित करते हुए उसे काम दे दिया गया। कुल मिला स्मार्ट सिटी परियोजना में अभी तक वही हुआ है जो बरेली नगर निगम के अफसरों की मर्जी थी। मुख्यमंत्री से लेकर सरकार के हर उचित महकमें तक शिकायत करने के बाद भी खुले आम बरेली नगर निगम के अफसरों ने वही किया जो उन्हें करना था। गौरतलब है कि स्मार्ट सिटी के रुप में चयनित होने के बाद भी बरेली में इस परियोजना पर काम को शुरु होने में ढाई साल से भी ज्यादा लग गए हैं। इस बीच कई अन्य शहरों में काफी काम हो भी चुका है। अब बरेली नगर निगम को इस परियोजना के तहत इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर की स्थापना की सुध हुयी तो 180 करोड़ रुपये का टेंडर निकाला गया। जारी होने के साथ यह पूरी प्रक्रिया विवादों में घिर गयी है। धांधली की तमाम शिकायतों के बीच भाजपा संगठन व निर्वाचित महापौर ने बरेली में ही हर स्तर पर शिकायत की। अफसरों की मनमानी पर लगाम न लगते देख महापौर उमेश गौतम ने लखनऊ आकर मुख्यमंत्री से पूरे प्रकरण की दस्तावेजों के साथ शिकायत की। महापौर, भाजपा संगठन सहित ज्यादातर निर्वाचित जन प्रतिनिधियों ने प्रदेश सरकार से मांग कर टेंडर को नए सिरे से करवाने और पारदर्शी तरीके से काम करवाने को कहा है।गौरतलब है कि कुछ समय पहले इसी तरह का मामला लखनऊ में भी सामने आया था जब धांधलियों को लेकर राजधानी के महापौर और नगर आयुक्त में ठनी थी। हालांकि तब मुख्यमंत्री कार्यालय ने समय रहते हस्तक्षेप कर नगर आयुक्त को हटा दिया था।

हिन्दू महासभा का निशुल्क सदस्यता अभियान शुरू

मोबाइल नम्बर पर मिस्डकॉल देकर बन सकेगों सदस्य

लखनऊ, संवाददाता। अखिल भारत हिन्दू महासभा ने अपने संगठनात्मक ढांचे में मजबूती के साथ अधिक से अधिक लोगों को निःशुल्क सदस्य बनाने के लिये अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत सदस्य बनने के लिये जारी किये गये नम्बर 8882240044 पर मिस्ड कॉल देनी होगी। आज यहां हिन्दू महासभा प्रदेश इकाई के कैम्प कार्यालय कुर्सीरोड पर आयोजित कार्यक्रम में निःशुल्क सदस्यता अभियान के लिये जारी नम्बर किया गया। इस मौके पर प्रदेश प्रभारी ऋषि त्रिवेदी, प्रदेश महासचिव अनुपम मिश्रा, प्रदेश प्रवक्ता पंकज तिवारी, बृजेश शुक्ला, कार्यकारी अध्यक्ष लखनऊ, सिद्धार्थ दुबे, उपाध्यक्ष लखनऊ, सुनील कुमार तिवारी, महामंत्री लखनऊ, प्रमोद त्रिवेदी, कार्यालय मंत्री लखनऊ सहित कई प्रमुख लोग मौजूद थे। इस मौके पर प्रदेश प्रभारी ऋषि त्रिवेदी ने बताया कि निःशुल्क सदस्यता अभियान इस माह के अन्त तक 30 सितम्बर तक चलेगा। जिसके लिये सिर्फ जारी नम्बर पर मिस्डकॉल करनी होगी। इस पर किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं देय होगा। श्री त्रिवेदी ने बताया कि हिन्दू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पीयूष कान्त वर्मा के निर्देश पर आगामी उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी सक्रियता के साथ मैदान में जुट गयी है। जिसके क्रम में राज्य के विभिन्न जिला एवं महानगर इकाईयों का पुनर्गठन किया जा रहा है। उम्मीद है कि पुनर्गठन की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी कर ली जायेगी। उसके उपरान्त प्रदेश के किसानों के साथ जनता से जुड़े विभिन्न मुद्दों के साथ सड़कों पर उतरने की तैयारी कर रही है। इस मौके पर मौजूद महासचिव अनुपम मिश्रा एवं प्रवक्ता पंकज तिवारी ने मौजूद कार्यकर्ताओं के समक्ष पार्टी की भावी रणनीति के बारे में जानकारी दी और पार्टी के भावी कार्यक्रमों के लिये सक्रियता के साथ जुटने के लिये तैयार रहने को कहा गया।

मुख्यमंत्री तक शिकायत के बाद भी बरेली स्मार्ट सिटी परियोजना में अफसरों की चहेती हनीवेल को काम

डीपीआर, टेंडर की शर्तें, तारीखें बदली चहेती कंपनी के लिए, महापौर का विरोध दरकिनार

संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्मार्ट सिटी परियोजना पर अफसरों ने ग्रहण लगा दिया है। बरेली स्मार्ट सिटी परियोजना में अफसरों की मनमानी के खिलाफ भाजपा संगठन और महापौर तक खुल कर मैदान में उतर आए हैं। मुख्यमंत्री तक शिकायत पहुंचाई गयी है पर इन सबको दरकिनार बरेली नगर निगम प्रशासन ने अपनी चहेती कंपनी हनीवेल पर मुहर लगा दी है। हैरत की बात है कि उस हनीवेल कंपनी को स्मार्ट सिटी का काम दिया गया है जिसने परियोजना के लिए रिक्वेस्ट फार कोटेशन (आरएफक्यू) में मांगी गयी जरुरतों को भी पूरा नहीं किया गया है। समूची टेंडर प्रक्रिया को देखने के बाद पता चलता है कि आरएफक्यू में मांगी गयी सेवाओं व उत्पादों के मानकों पर हनीवेल न तो खरी उतरती थी और नहीं इसने इनका जिक्र ही किया। इन सब बातों को दरकिनार कर बरेली नगर निगम ने उस कंपनी के हाथों प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट स्मार्ट सिटी का काम सौंप दिया जिसने अपेक्षाकृत घटिया क्वालिटी के उत्पादों का उपयोग, आपूर्ति का दावा किया है।

हनीवेल को काम देने पर आमादा अफसरों की ढिठाई का आलम यह है कि देश की जानी मानी कंपनियां तक बरेली स्मार्ट सिटी परियोजना की टेंडर प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकी हैं। अपनी पंसदीदा पर कई विवादों में घिरी कंपनी को काम देने पर उतारु अफसरों ने बरेली स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत 180 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इंटीग्रेटेड कमांट कंट्रोल सेंटर के लिए न केवल टेंडर की शर्तें बदल दीं बल्कि तारीख भी कई बार आगे बढ़ाई और भुगतान की शर्तों तक में फेरबदल किया। इतना ही नहीं अपने पंसद की कंपनी को ही काम मिले इसके लिए इस परियोजना की डीपीआर् में हेरफेर कर डाला और उसे अनुमोदन के लिए अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) को भेज दिया। एएमयू ने न केवल डीपीआर के अनुमोदन से इंकार किया बल्कि विरोध में एक कड़ा पत्र भी बरेली नगर निगम को भेज दिया। हैरत की बात है कि एएमयू, खुद अपने निर्वाचित महापौर सहित भाजपा संगठन की तमाम शिकायतों को किनारे रख बरेली नगर निगम के अफसरों ने मनमर्जी के साथ टेंडर करा डाला। नगर निगम की कारस्तानी के चलते स्मार्ट सिटी के इस महत्वपूर्ण काम के टेंडर में देश की तमाम जानी मानी कंपनियां हिस्सा तक नहीं ले सकीं। टेंडर प्रक्रिया सर आम घटिया काम व उत्पाद के लिए जानी जाने वाली कंपनी को ही सबसे कम बोली लगाने वाला घोषित करते हुए उसे काम दे दिया गया। कुल मिला स्मार्ट सिटी परियोजना में अभी तक वही हुआ है जो बरेली नगर निगम के अफसरों की मर्जी थी। मुख्यमंत्री से लेकर सरकार के हर उचित महकमें तक शिकायत करने के बाद भी खुले आम बरेली नगर निगम के अफसरों ने वही किया जो उन्हें करना था।

गौरतलब है कि स्मार्ट सिटी के रुप में चयनित होने के बाद भी बरेली में इस परियोजना पर काम को शुरु होने में ढाई साल से भी ज्यादा लग गए हैं। इस बीच कई अन्य शहरों में काफी काम हो भी चुका है। अब बरेली नगर निगम को इस परियोजना के तहत इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर की स्थापना की सुध हुयी तो 180 करोड़ रुपये का टेंडर निकाला गया। जारी होने के साथ यह पूरी प्रक्रिया विवादों में घिर गयी है। धांधली की तमाम शिकायतों के बीच भाजपा संगठन व निर्वाचित महापौर ने बरेली में ही हर स्तर पर शिकायत की। अफसरों की मनमानी पर लगाम न लगते देख महापौर उमेश गौतम ने लखनऊ आकर मुख्यमंत्री से पूरे प्रकरण की दस्तावेजों के साथ शिकायत की। महापौर, भाजपा संगठन सहित ज्यादातर निर्वाचित जन प्रतिनिधियों ने प्रदेश सरकार से मांग कर टेंडर को नए सिरे से करवाने और पारदर्शी तरीके से काम करवाने को कहा है।

गौरतलब है कि कुछ समय पहले इसी तरह का मामला लखनऊ में भी सामने आया था जब धांधलियों को लेकर राजधानी के महापौर और नगर आयुक्त में ठनी थी। हालांकि तब मुख्यमंत्री कार्यालय ने समय रहते हस्तक्षेप कर नगर आयुक्त को हटा दिया था। बरेली में अब तक प्रदेश सरकार इन तमाम शिकायतों पर कोई कारवाई नहीं कर सका है।

शिक्षा माफियाओं के गठजोड़ के आगे नतमस्तक है सरकार: संघर्ष

प्रयागराज। कोरोना महामारी के वैश्विक संक्रमण के समय NEET/JEE की परीक्षाओं को कराने पर आमादा केंद्र सरकार पूरी तरह से सत्ता के नशे में चूर होकर शिक्षा माफियाओं के आगे नतमस्तक है।

उक्त बातें आम आदमी पार्टी के नेता व प्रवक्ता सत्यम राय संघर्ष ने कही। संघर्ष ने कहा कि, कोचिंग सेंटर्स और निजी संस्थानों के मालिकों के करोड़ो के मुनाफ़े को मद्देनजर रखते हुए सरकार 25 लाख छात्रों के जीवन को संकट में डालने का काम कर रही है, एक तरफ कोरोना का संक्रमण है दूसरी तरफ तटीय क्षेत्रों में बाढ़ का प्रकोप छात्र जंहा अपने घर से दूर रहकर तैयारी करता है अपना परीक्षा केंद्र भी वहीं चुनता है, जो छात्र आखिरी बार प्रतिभाग करने को पात्र होंगें और वह सेंटर नहीं पंहुच पाते हैं उनके भविष्य का जिम्मेदार कौन होगा? यदि परीक्षार्थी छात्रों के बीच कारौना का संक्रमण फैलता है तो क्या यह सरकार द्वारा इंजेक्ट किया संक्रमण ना माना जाए, ऐसे तमाम पहलू हैं जिन पर सरकार को विचार करना चाहिए और परीक्षा कराने के निर्णय को वापस लेना चाहिए। हम सब सरकार के इस गैर जिम्मेदाराना रवैये की निंदा और भर्त्सना करते हैं। छात्र और युवा इस देश का भविष्य हैं, सरकार कैसे इत्तनी निष्ठुर और बेपरवाह हो सकती है यह आम जनमानस के समझ से परे है। यदि परीक्षाएं टाली नहीं गयीं, तो इसके परिणाम भयावह होंगे।

कार्यालय जिलाधिकारी/नियन्त्रक नागरिक सुरक्षा प्रयागराज

कोरोना महामारी की रोकथाम में सिविल डिफेन्स मोहल्ला निगरानी समिति की अहम भूमिका

प्रयागराज। शहर में कोविड-19 के रोकथाम एवं प्रबंधन के कार्य में नगर निगम के पार्षदो सिविल डिफेन्स आपराध नियन्त्रण इकाई के सहयोग से मोहल्ले में चिन्हित कोविड मरीजो को मिलने वाली चिक्तिसीय सुविधा। होम आईसोलेशन में रहने वालों मरीजो द्वारा गाइड लाइन का सख्ती से पालन कराना। कटेनमेट जोन में डोर टू डोर सर्वो। मोहल्ले में सेनिटाइनेशन साफ सफाई का कार्य प्रभवी ढंग से कराना। पूरे वार्ड द्वेत्र में शोशल डिस्टेशिगं व मास्क लगाने के लिए प्रेरित करना। जन जागरूक्ता हेतु पर्चे बांटना। क्षेत्रीय दुकानदारो व्यापारियो की छोटे समूह में शोशल डिस्टेसिंग का पालन करते हुये बैठके कराना।

क्षेत्र मे अभियान चलाकर ऐसे लोगो की फोटो भी खीचना जो बिना मास्क पहने सार्वजनिक स्थानो पर दिखाई पड़ते है उसे नगर आयुक्त के माध्यम से सम्बधित थाने को चालान हेतु उपलब्ध कराने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये।उसी सन्दर्भ में सिविल डिफेन्स की आपात बैठक डिप्टी कन्ट्रोलर ओंकार शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई नगर स्तरीय बैठक में चीफ वार्डेन अनिल कुमार सुधीर सक्सेना संजीव बाजपेई रवि शंकर द्विवेदी एल के अहेरवार महेन्द्र सक्सेना राजीव भनोट रौनक गुप्ता हेमन्त अवस्थी एम राय सुरेन्द्र यादव राम जी पाण्डे अबरार खाँ आस्थि रहे।

दुराचारी को पुलिस ने धर दबोचा, भेजा जेल

प्रयागराज। क्षेत्र के बेदौली गांव के एक दुराचारी ब्यक्ति को पुलिस ने धर दबोचा। बता दे की बेदौली गांव के बृजेश कुमार पटेल पिता पैकु पटेल उर्फ चंद्र मणि (25) को गिरफ्तार किया गया। दुराचार करके फरार चल रहे अभियुक्त को पुलिस ने घर से पकड़ कर जेल भेज दिया। वांछित अभियुक्त पर 342/2020 धारा 552/376/506 व पास्को एक्ट सहित निम्न धाराओ में मुकदमा पंजीकृत था। वांछित अभियुक्त को दबिस देकर पकड़ा गया। पकड़े गए अभी तो पर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई करते हुए जेल भेजा गया।

शंकराचार्य ने किया रामलला के दर्शन

प्रयागराज। आज संपूर्ण विश्व रामराज के स्वरूप व राम मंदिर का राम जल स्थान पर निर्माण देखने के लिए आतुर था तरह-तरह के अच्छे बुरे विचार प्रकट किए जा रहे थे किंतु सनातन धर्म के प्रति घोर आस्था, भारत की निष्पक्ष निर्भीक न्यायिक प्रक्रिया और देश के अंदर सभी वर्ग व विचारधारा के लोगों की आपस में सद्भावना ने ही अयोध्या में भगवान राम के मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया स्वामी जी ने कहा कि भगवान राम मंदिर निर्माण प्रारंभ करने में विलंब होना ठीक था लेकिन आपस में दुर्भावना का बने रहना ठीक नहीं था आज यहां अपनी 10 घंटे की अयोध्या यात्रा से लौटकर अपने प्रयागराज स्थित भगवान शंकराचार्य मंदिर, श्री ब्रह्म निवास में श्रीमद् ज्योतिष पीठाधीश्वर जगद्गु शंकराचार्य एवं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती जी ने कहा पूज्य शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती जी का संतों एवं भक्तों का समूह प्रातः 8-30 बजे ब्रह्म निवास से चलकर अयोध्या पहुंचा जहां प्रभु श्री राम लला के (राम दरबार) में दर्शन पूजन व परिक्रमा किया इसके बाद भूमि पूजन स्थल पर गए वहां पर श्रीराम शीला अर्पित किया कारसेवक पुरम पहुंचकर निरीक्षण किया वह श्री राम जन्म भूमि स्थल तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय से मिलकर प्रयाग वापस आ गए पूज्य शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती जी के साथ दंडी स्वामी ब्रह्मानंद (हैदराबाद), दंडी स्वामी जितेंद्रनंद, आचार्य विपिन जी, सीताराम शर्मा (जयपुर), मनीष जी, धनंजय बाबा, आदि लोग शामिल रहे।

क्षेत्र में चोरों का आतंक, लगातार चोरी की घटना में वृद्धि

किसानों के मोटर पंप से लेकर आम आदमी की साइकिल तक हो रही हैं गायब

प्रयागराज। क्षेत्र में इन दिनों चोर गिरोह पूरी तरह से सक्रिय हैं। महीने भर के अंतराल में लगभग एक दर्जन चोरी की घटनाओं को अंजाम पहुंचा चुके हैं।

क्षेत्र के मेजा रोड बाजार, जानकी गंज (नवीन सब्जी मंडी) में सब्जी की खरीददारी करने गए एक युवक की हौंडा शाइन मोटरसाइकिल यूपी 70 डीएन 1110 को चोरों ने पार कर दिया। उक्त युवक सब्जी की खरीददारी कर वापस लौटा तो देखा बाइक जगह पर नहीं है। काफी खोजबीन के बाद भी मोटरसाइकिल नहीं मिली। पीड़ित युवक ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई है।

गौरतलब हो कि बीते पखवाड़े भर में चोरों का तांडव जगजाहिर है, जिसमें क्षे त्र के मेजा रोड व्यापारी लूट कांड सहित ग्राम सभा खौर, जरार, तथा गेदुराही में चोरों ने नगदी समेत लाखों का गहना पार कर दिया था। जिसमें से व्यापारी लूट कांड मेजा रोड खुलासा होने के बावजूद दो अन्य अभियुक्त अब भी गिरफ्त के बाहर है।

क्षेत्र में हुए इन बड़ी चोरियों के अलावा छोटी मोटी चोरी की घटनाएं होती रही है। जिनमें से कुछ पीड़ित पुलिस के पास नही गए। चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि बाजार में यदि व्यक्ति खरीदारी कर रहा है तो उसकी साइकिल गायब हो जा रही है तो कहीं मोटरसाइकिल, कहीं-कहीं चोर घात लगाकर घटना को अंजाम दे रहे हैं। यहां तक कि किसानों के मोटर पंप भी नहीं बच रहे हैं। क्षेत्र में बढ़ रहे आए दिन चोरी चकारी की घटनाओं से क्षेत्रवासी भयभीत हैं।

एसडीएम ने खनन एवं परिवहन विभाग को कार्रवाई हेतु जारी किया पत्र

प्रयागराज। भाजपा मंडल अध्यक्ष श्याम राज यादव ने कुछ दिन पहले अवैध खनन एवं ओवरलोडिंग के खिलाफ उपजिलाधिकारी मेजा को शिकायती पत्र दिया था। उक्त प्रकरण को संज्ञान में लेकर उपजिलाधिकारी रेनू सिंह ने खनन एवं परिवहन विभाग को क्रेशर प्लांट द्वारा अवैध खनन एवं ओवरलोडिंग में उनकी संलिप्तता के साथ ओवरलोड ट्रकों को चिन्हित कर उनके खिलाफ विधिक कार्यवाही हेतु पत्र के माध्यम से कहा गया। उन्होंने विभागों को निर्देश दिया कि प्रतिदिन मेजारोड व कोहड़ार में अपने स्तर पर टीम गठित कर गिट्टी लदे ट्रकों की चेकिंग करना सुनिश्चित करें, जिससे कि राजस्व की हानि ना हो।

अवैध शराब के साथ अभियुक्त गिरफ्तार, भेजा जेल

प्रयागराज। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज अभिषेक दीक्षित द्वारा चलाये जा रहे अभियान अवैध मादक पदार्थ व विक्री पर रोक लगाने के क्रम में थाना करछना प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अमित कुमार मय पुलिस बल थाना करछना के द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर अभियुक्त बाबू साहब पुत्र राम सिंह यादव उम्र 27 वर्ष निवासी बलिया, बबुरा, थाना करछना को को गड़ैला तिराहे से गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे से 10 लीटर अवैध कच्ची देशी शराब नाजायज की बरामदगी की गयी। गिरफ्तार करने वाली टीम में उ0नि0 अमित कुमार,का0 दुष्यन्त कुमार,का0 सुनील कुमार, का0 दीपेन्द्र यादव रहे।वहीं अभियुक्त के विरूद्ध मु0अ0सं0 431/2020 धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत आवश्यक कार्यवाही की गयी।

शिक्षक दिवस को क्रांति दिवस के रूप में मनाएगें शिक्षामित्र-वसीम

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ की जिला कार्यकरिणी बैठक संघ के जिलाध्यक्ष वसीम अहमद की अध्यक्षता में तहसील मुख्यालय स्थित आवास बारा खास में सम्पन्न हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष वसीम अहमद ने कहा कि समायोजन रदद् होने के बाद से लगभग 3500 शिक्षामित्र काल के गाल में समा चुके है।फिर भी समस्या समाधान के बजाय सरकार द्वारा आश्वासन की घुट्टी पिला रही है।मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री के आश्वासन पर क्रियान्वन न होने से छुब्ध हो संघ ने शिक्षक दिवस के बजाय क्रांति दिवस मनाने का फैसला किया है। जिले के सभी ब्लॉक अध्यक्ष एवं जिला पदाधिकारी 5 सितम्बर को शारिरिक दूरी अन्य निर्देशो का पालन करते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौपेंगे।संचालन ब्लॉक अध्यक्ष जसरा सुमन्त भार्गव ने किया। बैठक में सुरेंद्र पांडेय, अरुण पटेल, सुनील तिवारी, जनार्दन पांडेय, विनय सिंह, दशरथ भारती, सुमन्त भार्गव, रमाकांत कुशवाहा, कमलाकर सिंह पटेल, प्रदीप पाल, चंद्रमोहन, यशवंत प्रजापति, आलोक यादव, अनिल जायसवाल, आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

बाढ़ प्रभावित व विवादित जमीन पर किया जा रहा,शौचालय निर्माण

प्रयागराज। बहादुरपुर के धोकरी गांव में फुलपुर तहसील प्रशासन द्धारा बिवादित व बाढ़ प्रभावित जमीन पर शौचालय का निर्माण कराया जा रहा है। शौचालय निर्माण को लेकर ग्रमीणो मे नाराजगी है। ग्रामीणो ने कहा यह तो सरकारी धन का अपब्यय है। धोकरी गांव निवासी शिवबाबा ने बताया कि बीते दौ सौ सालो से हमारे पूर्वज इस जमीन मे रहते हुए आये है। पूर्व मे राजस्वकर्मियो की दूषित मानसिकता के चलते जमीन को आबादी की जगह बंजर घोषित कर दिया। उक्त भूमि का दीवानी मुकद्मा माननीय जिला न्यायलय मे लंबित है। जानकारी देने के बाद भी जबरन हल्का लेखपाल शौचालय बनाने पर आमादा है। ग्रामीणो ने बताया कि जिस जगह शौचालय निर्माण होना है वहां हर साल बाढ़ आती है। गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है पता नही इस साल शौचालय टिक पायेगा कि नही। ग्रामीणो ने बताया कि पंचायत भवन,आगनवाड़ी केन्द्र व उपस्वाथ्य केन्द्र के आसपास खाली सरकारी जमीनो पर निर्माण कार्य कराया जाना चाहिए जिससे जरूरतमंद महिलाओ व अन्य लोगो को इसका लाभ मिल सके। शौचालय का निर्माण ऐसी जगह किया जा रहा है जहां कोई मतलब नही है क्योकि बाढ़ क्षेत्र के साथ व बिल्कुल गांव के किनारे है। फूलपुर उपजिलाधिकारी विवेक ने बताया कि ऐसी जगहो पर भी सरकारी निर्माण कराया जा सकता है। कोर्ट मे होने से कोई फर्क नही पड़ता है। हल्का लेखपाल कैलाशनाथ मिश्रा ने बताया कि उपजिलाधिकारी का आदेश है निर्माण कराना पड़ रहा है। शौचालय बिवादित जमीन पर बनाया जा रहा है,उक्त जमीन पर पूरे गांव का पानी भी इकट्ठा होता है ,जिसके चलते वह कभी भी गिर सकता है।

> गांव मे कई जगह सरकारी जमीने है,बाढ् प्रभावित जगह पर शौचालय का निर्माण सरकारी धन का अपब्यय है। प्रशासन को इससे बचना चाहिए। देश की जनता की गाढ़ी कमाई बर्बाद नही होनी चाहिए।
> **राकेश सिंह ग्रामीण**

> पहली बार तो बिवादित स्थल पर शौचालय का निर्माण कराना गलत है। माननीय न्यायलय मे मुकद्मा दर्ज है अधिकारियो को ऐसी जगहो पर निर्माण से बचना चाहिए।
> **वरिष्ठ अधिवक्ता अंजनी त्रिपाठी**

पत्रकारिता व्यवसाय नही बल्कि मिशन हैं: जी पी सिंह

भारतीय पत्रकार सभा की संगोष्टी सम्पन

प्रयागराज। भारतीय पत्रकार सभा के तत्वावधान मे आयोजित संगोष्ठी नैनी स्थित कार्यालय पर सम्पन्न हुई। संगोष्ठी मे विचार व्यक्त करते हुए संगठन के उपाध्यक्ष जी पी सिंह ने कहा कि पत्रकारिता व्यवसाय नहीं बल्कि मिशन है जो जन भावनायों को शासन प्रशासन के संज्ञान मे लाकर उनकी अपेक्षाओ की पूर्ति मे अग्रणी भूमिका अदा करता है। पत्रकार सत्ता व जनता के बीच जन अपेक्षाओं के साथ ही सत्ता व जनता को कर्तव्यों के प्रति भी सजग करता हैं।

संगोष्ठी का संचालन करते हुए महामंत्री राजेश सिंह ने कहाकि संगठन का दायित्व पत्रकारो के अधिकारो की रक्षा के साथ- साथ उन्हे कर्तत्यो के प्रति निष्ठावान बनाना भी जरुरी होता है। संगठन मंत्री अरविन्द सिंह ने पत्रकारों को उनकी समाज व सरकार के प्रति भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहाकि सभी को अधिकार के साथ कर्तव्यों का भी ध्यान रखना चाहिए। संगोष्ठी मे सहभागिता करते हुए सभा के सदस्य एस पी सिंह ने मीडिया से जुड़ रहे नित नये ग्रामीण क्षेत्रो के संवादसूत्रो, संवाददाताओं एवं पत्रकारों को वर्तमान सूचना क्रान्ति की अवधारणा से अवगत कराने के साथ उनका मार्गदर्शन कर परिपक्व बनाना भी संगठन का उत्तरदायित्व है। संगोष्ठी मे सर्वश्री अजय सिंह, रणकेन्द्र सिंह, अरुण प्रताप, आदि ने भी विचार व्यक्त किया।

जिलाधिकारी ने जनपद में चल रही योजनाओं की प्रगति की समीक्षा किया

समयबद्ध रूप से गुणवत्ता के साथ पूरा कराने के दिए निर्देश

प्रयागराज। जिलाधिकारी ने जनपद की सड़कों को गड्ढ़ामुक्त बनाने के लिए सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिये और कहा कि बरसात के दौरान जहां कहीं भी गड्ढ़े है, उनको तत्काल पैचिंग कराकर दुरूस्त करें साथ ही जनपद में चल रहे सड़कों के निर्माण कार्य को ससमय पूरा कराने को कहा। जिलाधिकारी ने अमृत योजना के तहत कराये जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी लेते हुए नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस योजना के तहत कराये जा रहे कार्यों को समय से पूरा करें, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं की जायेगी। भारद्वाज आश्रम एवं चन्द्रशेखर पार्क में कराये जा रहे कार्यों में मानक के अनुरूप प्रगति न होने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को कार्य की गति बढ़ा

कर जल्द से जल्द कार्य को पूरा कराने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण की समीक्षा की करते हुए जिलाधिकारी ने योजना के तहत शेष कार्य को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिये। 50 लाख रूपये से अधिक की जनपद में चल रही योजनाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने मोतीलाल नेहरू कालेज में चल रहे निर्माण कार्य में हो रही देरी पर नाराजगी जतायी साथ ही निर्देश दिये कि 50 लाख रूपये से अधिक की सभी योजनाओं में तेजी लाकर योजनाओं को शीघ्रता से पूरा कराया जाये साथ ही प्रगति रिपोर्ट से अवगत कराने को भी कहा। एसआरएन में फायर एलार्म का कार्य पूर्ण न होने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए निर्देशित किया इस कार्य को अगले 10 दिनों के अंदर पूरा कराकर हमें अवगत करायें। आवास विकास परिषद के द्वारा कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने राजकीय महाविद्यालय मेजा में चल रहे कार्य जल्द से जल्द पूरा कराने को कहा। इसी प्रकार पर्यटन विकास द्वारा कराये जा रहे भैरव बाबा मंदिर महेवा एवं लाक्षागृह में पर्यटन के सम्बंध में कराये जा रहे कार्यों को जल्द पूरा कराने के निर्देश दिये। जल निगम के कार्यों की समीक्षा करते हुए डोर-टू-डोर नल कनेक्शन के कार्यों की प्रगति के बारे में साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल योजना के तहत पानी की टंकियों के निर्माण कार्य को तीव्र गति से गुणवत्ता पूर्ण ढंग से पूरा कराने के निर्देश जल निगम के अधिकारी को दिये। जिलाधिकारी ने जनपद में गौशाला निर्माण के कार्यों के बारे में जानकारी लेते हुए चल रहे निर्माण कार्य को जल्द पूरा कराने के निर्देश दिये।

जापान के नजदीक मालवाहक जहाज डूबा 5800 गायों की समुद्र में डूबकर मौत

नई दिल्ली, जापान में गायों को ढोनेवाले एक मालवाहक जहाज का एक्सीडेंट हो गया। इस एक्सीडेंट में वह जहाज डूब गया और इसमें ढोई जाने वाली 5800 गायों की मौत हो गई। इस जहाज पर 43 कर्मचारी थे लेकिन बुधवार की रात्रि तक जहाज पर एक ही कर्मचारी को तट रक्षक दल ने बचाने में सफलता पाई है हालांकि अन्य कर्मचारियों की खोज जारी है। तटरक्षक दल द्वारा बचाया गया ये कर्मचारी फिलिंपिस का निवासी है। फिलहाल उसकी हालत ठीक है। महाराष्ट्र टाइम्स के अनुसार जापान नेवी के पी-3सी गश्ती विमान ने इस कर्मचारी को समुद्र में देखा। उसके बाद लाइफ जैकेट की मदद से वह बचने का प्रयास कर रहा था। गल्फ लाइवस्टॉक 1 नामक जहाज ने बुधवार को आपातकालीन परिस्थिति में एक संदेश भेजा था जिसमें करीब 11 हजार 947 टन वजन का ये जहाज 5800 गायों को लेकर पूर्व चीन समुद्र से अमामी ओशिमा के किनारे के करीब से जा रहा था। लेकिन अभी तक एक्सीडेंट के ठोस कारण का पता नहीं चल पाया है। इस इलाके में तूफान के कारण मौसम खराब था। जहाज में 38 फिलिपिंस, दो न्यूजीलैंड और एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक है। अन्य कर्मचारियों की खोजबीन जारी है। इस मुहिम में 5 विमान और बचाव टीम के प्रशिक्षित 5 सदस्य बचाव कार्य कर रहे हैं।

मीडिया की विश्वसनीयता का सवाल

अपराधों के राष्ट्रीय रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़े आ गए हैं। 2019 में देश में 140,000 लोगों ने आत्महत्या की थी। इनमें से एक तिहाई लोगों ने पारिवारिक समस्याओं के दबाव में यह कदम उठाया। करीब 23 प्रतिशत लोगों ने बीमारी या नशाखोरी के कारण आत्महत्या की। आठ प्रतिशत लोगों ने गरीबी, कर्ज, बेरोजगारी और दिवालियापन से परेशान होकर अपनी जान ले ली। आत्महत्या करने वालों में दक्षिणी राज्यों के लोग सबसे ज्यादा थे। इनमें आधे से ज्यादा संख्या महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक के थे। उत्तर प्रदेश और बिहार में सबसे कम आत्महत्याएं होती हैं। खेती किसानी के काम में लगे लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति में भारी कमी आई है। दुर्घटना और आत्महत्या के आंकड़ों के अनुसार 2016 में करीब 11 हजार से ज्यादा लोगों की मृत्यु हुई थी जबकि 2019 में आत्महत्या की संख्या में 10 प्रतिशत की कमी आई है। आत्महत्या वास्तव में सभ्यता, मानवीय जिजीविषा, सामाजिक समरसता की हार है। अगर कोई व्यक्ति आत्महत्या करने का फैसला करता है तो उसके लिए वह खुद तो जिम्मेदार है ही, उसका परिवार, उसके दोस्त, उसके आसपास के लोग और समाज भी कम जिम्मेदार नहीं है। आत्महत्या के कारणों पर दुनिया भर में बात होती रहती है। आम तौर पर वे लोग ही आत्महत्या करते हैं जिनको अपना जीवन बेमतलब लगने लगता है। काल्पनिक या वास्तविक दुःख को बहुत बड़ा बनाकर आंकना, अपनों से निराशा मिलना, अपनों की उम्मीदों पर खरा न उतरने का डर, अपनी महत्वाकांक्षा को हासिल न कर सकने का भय, प्यार में धोखा, आर्थिक तंगी आदि कुछ बातें हैं जिनके कारण लोग आत्महत्या करते हैं। कुछ आत्महत्याएं बीमारी के कारण भी होती हैं। अवसाद के मरीजों में यह प्रवृत्ति ज्यादा पाई जाती है। अवसाद के मरीजों के रिश्तेदारों को चाहिए कि अपने प्रियजन को यह विश्वास दिलाते रहें कि उनका जीवन महत्वपूर्ण है उसकी समाज को आवश्यकता है। पिछले दिनों मुंबई में एक फिल्म अभिनेता की मृत्यु के बाद उसकी आत्महत्या या हत्या राष्ट्रीय चर्चा का विषय बनी हुई है। अभिनेता नौजवान था, कुछ सफल फिल्मों में काम कर चुका था, भविष्य में भी उससे सिनेमा उद्योग और दर्शकों को उम्मीदें थीं। मुंबई के उपनगर बांद्रा के उसके घर में एक दिन उसका शव फांसी पर लटकता हुआ मिला। पुलिस ने उसको आत्महत्या मानकर जांच करना शुरू कर दिया। बड़े अभिनेता की मृत्यु का मामला था इसलिए मीडिया में भी खबर आई। टीवी चौनल भी सक्रिय हो गए। उसी बीच कुछ टीवी चौनलों ने उनकी मृत्यु को अपना कारोबार बढ़ाने के लिए इस्तेमाल करने का फैसला कर लिया। सुबह शाम वही खबर, दिन भर वही खबर, उसी पर बहस, उसी का विश्लेषण यानी टीवी पत्रकारिता के जितने भी पक्ष हैं सब उसी पर केन्द्रित हो गए। अपने देश में सिनेमा से जुड़े लोगों के बारे में बड़ी आबादी में उत्सुकता रहती है। जब से सिनेमा शुरू हुआ है तब से ही फिल्मी चटखारेदार खबरें महत्व पाती रही हैं। फिल्मी गपबाजी को केंद्र में रख कर कई पत्रिकाएं भी निकाली गई और बहुत बड़ा कारोबार खड़ा कर लिया। जाहिर है फिल्मी लोगों के निजी जीवन को चटखारे लेकर सुनाना एक बड़ा कारोबार है। टीवी पत्रकारिता के कुछ स्वनामधन्य संपादकों ने मुंबई के फिल्मी अभिनेता स्व सुशांत सिंह राजपूत के जीवन और उनकी मृत्यु से जुड़ी खबरों को जिस मुकाम पर लाकर छोड़ दिया है, वह पत्रकारिता तो किसी तरह से नहीं कही जा सकती। देश तरह-तरह के संकट से जूझ रहा है। कोरोना की महामारी पूरी दुनिया को चपेट में लिए हुए है। उसके कारण दुनिया भर में आर्थिक मंदी है, लोगों की नौकारियां जा रही हैं। अपनी अर्थव्यवस्था भारी संकट के भंवर में है। शहरों में लोग भीख मांगने के लिए अभिशप्त हैं। शहरों से भागकर गांवों में गए लोगों को सरकारी वायदों के बावजूद कहीं कोई काम नहीं मिल रहा है। लद्दाख में चीन की कारस्तानी राष्ट्रीय चिंता का विषय बनी हुई है। इन सारे विषयों पर देश की जनता को सही खबर और विश्लेषण पंहुचाना मीडिया का कर्तव्य है लेकिन यह सब पीछे चला गया है। सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु की खबरों को कई टीवी चौनलों ने स्थायी खबर बना दिया है। पत्रकारिता से जुड़े लोगों के लिए यह चिंता की बात है।बिहार के एक संपन्न परिवार का बेटा, मुंबई की फिल्मी दुनिया में अपनी किस्मत आजमाने के उद्देश्य से गया था। उच्च शिक्षा प्राप्त इस नवयुवक के सामने रोजी-रोटी के बहुत सारे अवसर थे लेकिन उसने फिल्म का रास्ता चुना और उसें सफलता भी पाई। किन्हीं कारणों से उनकी मृत्यु हो गई। शव लटका हुआ मिला था अकाल मृत्यु की घटना पुलिस की जांच का विषय होती है। मुंबई की पुलिस ने जांच शुरू की लेकिन बाद में पता चला कि पुलिस ने कोई प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफ आई आर)दर्ज किये बिना ही जांच शुरू कर दिया था। यह बहुत ही गैरजिम्मेदार काम है। एफ आई आर दर्ज किये बिना जांच का कोई मतलब नहीं है। मुंबई पुलिस ने एक इन्क्वेस्ट लिखकर जांच शुरू कर दिया था। इन्क्वेस्ट का शब्दकोशी मतलब भी श्अप्रत्याशित मृत्यु के कारणों की जांचश् ही है लेकिन मुकदमा चलाने के लिए तो एफ आई आर जरूरी होता है। मुंबई पुलिस की जांच पर शक तब शुरू हुआ जब उसने उन लोगों को पकड़-पकड़ कर पूछताछ शुरू कर दिया जिन्होंने कभी सुशांत सिंह राजपूत को फिल्म में काम करने का वायदा किया था लेकिन बाद में मुकर गए थे। यह भी जांच शुरू हो गई कि मुंबई की फिल्मी दुनिया में परिवारवाद बहुत ज्यादा है। साधारण व्यक्ति को भी लगने लगा कि जांच को भटकाया जा रहा है। परिवार को लगा कि मुंबई पुलिस जांच को सही दिशा में नहीं ले जा रही है। सुशांत के एक जीजा बहुत बड़े पुलिस अधिकारी हैं, एक अन्य जीजा बहुत ही बड़े वकील हैं। जाहिर है बिना एफ आई आर की जांच का हश्र उन लोगों को मालूम था। परिवार ने स्व सुशांत के राज्य बिहार की राजधानी पटना में एक एफ आई आर दर्ज करवा दिया। उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई पुलिस की जांच सही दिशा में नहीं जा रही है इसलिए उनको पटना में एफ आई आर लिखवाना पड़ा। इस बीच यह भी चर्चा शुरू हो गई कि महाराष्ट्र के एक राजनीतिक परिवार का भी उनकी मृत्यु से कुछ लेना-देना हो सकता है। अब तक पूरे देश के कल्याण का ठेका ले चुके कुछ टीवी चौनल मैदान ले चुके थे। उनको एक विलेन की जरूरत थी तो उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत के साथ कुछ महीनों तक लिव-इन के रूप में रह चुकी एक अभिनेत्री को विलेन बनाया और मीडिया ट्रायल शुरू हो गया। मुंबई के राजनीतिक परिवार की मिलीभगत के मद्देनजर उस परिवार की पार्टी के विरोधी राजनेता भी आग में घी डालने लगे। बात बहुत आगे तक बढ़ गई और सुशांत की दोस्त अभिनेत्री की मौजूदगी के कारण स्त्री विरोधी मानसिकता वाले कुंठित लोगों को रोज की खुराक मिलने लगी। इस बीच सुशांत सिंह के पिताजी ने पुलिस को बताया कि उनके बेटे से उस की लिव-इन दोस्त ने करीब पन्द्रह करोड़ रुपये ठग लिए हैं। सुशांत सिंह के बैंक खातों में इस रकम का कोई उल्लेख नहीं था। जाहिर है यह धन नम्बर दो का रहा होगा। सीधा-सीधा कालेधन का केस बनता है। लिहाजा ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने भी जांच शुरू कर दी। कहीं से पता चला कि कुछ नशीली दवाओं का भी इस्तेमाल हुआ था। यह नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो का विषय है, वह भी जांच में जुट गए। विपक्ष ने आरोप लगाना शुरू कर दिया कि बिहार के इसी साल होने वाले चुनावों के मद्दे नजर बिहार के लोगों की सहानुभूति बटोरने के चक्कर में केंद्र सरकार ने सभी एजेंसियों को लगा रखा है। महाराष्ट्र में इस समय जिस पार्टी की सरकार है उस पर आरोप है कि उसने केंद्र सरकार में राज करने वाली पार्टी को धोखा दिया है। आरोप लगने लगे कि सरकार से बदला लेने के लिए केंद्र सरकार ने अभियान चला रखा है और एक हत्या या आत्महत्या के मामले को राजनीतिक कारणों से अपने वफादार टीवी चनैलों की मार्फत हवा दी जा रही है। इस सारी प्रक्रिया में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती और उसके परिवार वालों को ठेकेदार टाइप चौनलों ने सूली पर चढ़ाने का पूरा बंदोबस्त कर रखा था।

सम्पादकीय

दुर्घटना का कारण है ओवर-स्पीडिंग

सड़क दुर्घटना और इसमें मृत्यु होने का सबसे बड़ा कारण है, तेज गति से वाहन चलाना. दूसरा, लाल बत्ती जंप करना और तीसरा, मोबाइल पर बातें करते हुए वाहन चलाना. वाहन चलाते हुए मोबाइल पर बातें करने से एकाग्रता भंग होती है और हम दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं. शराब पीकर और रॉन्ग साइड गाड़ी चलाना भी दुर्घटना के कारणों में शामिल है. भले ही उपरोक्त कारण सड़क दुर्घटना के लिए जिम्मेदार हैं, लेकिन इसके पीछे कई अन्य वजहें भी हैं. पहला कारण है, मानसिक तौर पर उकसावे की कार्रवाई करना. हमारे यहां सड़क सुरक्षा के जो नीति-निर्माता हैं, वे खुद यातायात नियमों का पालन नहीं करते हैं. बिना हेल्मेट के चलते हैं. तो यह अप्रत्यक्ष रूप से उकसावे वाली कार्रवाई ही है. नीति-निर्माता एक तरह से जनता को, अपने फॉलोवर को मानसिक तौर पर यातायात नियमों का पालन नहीं करने के लिए उकसाते हैं. दूसरा, जिन लोगों पर यातायात नियमों का पालन करवाने की जिम्मेदारी है, वे भी नियमों का पालन नहीं करते हैं. 90 प्रतिशत से अधिक पुलिसवाले वाहन चलाते समय हेल्मेट नहीं पहनते, सीट बेल्ट नहीं लगाते हैं. जहां मन होता है, वहीं अपनी पीसीआर वैन खड़ी कर देते हैं. जब प्रशासन द्वारा खुद ही नियमों का पालन नहीं किया जाता है, तो जनता, विशेष रूप से युवाओं के मन पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है. यही कारण है कि वाहन चलाते हुए बहुत से लोग हेल्मेट नहीं पहनते हैं. 99 प्रतिशत लोगों को यह पता होता है कि उन्हें कहां जाना है और किन रास्तों पर पुलिस चेकिंग करती है, उन रास्तों पर पहुंचने से पहले वे हेल्मेट पहन लेते हैं, और बाद में उसे निकाल देते हैं. तीसरी उकसावे की कार्रवाई टीवी पर आनेवाले विज्ञापन, सीरियल्स और फिल्मों में दिखाये जानेवाले स्टंट व रैश ड्राइविंग के दृश्य हैं. सिनेमा में वाहन चलाने से जुड़े लगभग 99 प्रतिशत दृश्यों में यातायात नियमों का उल्लंघन दिखाया जाता है. ये सभी दृश्य युवाओं के मन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं. उन्हीं दृश्यों का अनुकरण करते हुए युवा भी नियमों का उल्लंघन करते हैं. दुर्घटना का एक और प्रमुख कारण है सड़कों का खराब होना और उनका डिजाइन सही तरीके से न बनाया जाना. लेकिन इस बारे में कभी बात ही नहीं होती है. अक्सर देखने में आता है कि सड़क बनने के तुरंत बाद ही टूट जाती है, उसमें गड्ढे हो जाते हैं, महीनों उसकी मरम्मत नहीं होती है. जब इंफ्रास्ट्रक्चर सही नहीं बनाया जाता है, तो लोग भी उसका सही तरीके से उसका इस्तेमाल नहीं करते हैं. ऐसे में दुर्घटना होना तय है. यदि दिल्ली की ही बात करें, तो रेल भवन के पास के गोल चक्कर की सड़क पर तीन रोड साइन लगे हैं, जिस पर लिखा है 'बायीं तरफ चलना अनिवार्य है'. लेकिन इस गोल चक्कर पर शत-प्रतिशत लोग दायीं ओर मुड़ते हैं, मंत्री, उनके सचिव व उनके सभी कर्मचारी भी ऐसा ही करते हैं, क्योंकि बायीं ओर जानेवाला रास्ता बहुत समय से आमलोगों के लिए बंद है. ऐसे में देश को सड़क सुरक्षा के बारे में कैसे समझाया जा सकता है. जब आपको इंफ्रास्ट्रक्चर गलत दिया जा रहा है, सड़क की डिजाइन गलत दी जा रही है, तो आप यातायात नियमों का पालन कैसे करेंगे. हमारे यहां सड़क दुर्घटना का एक और बड़ा कारण है, रोड डिवाइडर के बीच लगे पेड़-पौधे. इनके कारण वाहन चालक को सड़क पार करते हुए सामने से आती हुई गाड़ी दिखायी नहीं देती है. वाहन चलाते हुए चालक को 180 डिग्री तक दिखायी देना चाहिए, लेकिन इस हरियाली के कारण विजिबिलिटी कम हो जाती है. रोड साइन छिप जाते हैं, पारपथ व लाल बत्ती भी दिखायी नहीं देती है. ऐसे में यातायात नियमों का पालन करना मुश्किल हो जाता है. सड़क दुर्घटना में कमी लाने के लिए डिवाइडर से पेड़-पौधे हटने चाहिए. हमारे यहां सड़क दुर्घटना में सबसे ज्यादा जान दुपहिया वाहन चालकों की जाती है (लगभग 35 प्रतिशत). इसका सबसे बड़ा कारण होता है हेल्मेट न लगाना या सस्ता वाला टेंपररी हेल्मेट लगाना. सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए नियमों में बदलाव करना होगा. हमारे यहां यातायात नियमों के तहत जो चालान होता है, उनमें लाल बत्ती जंप करना, बहुत ज्यादा तेज गति से वाहन चलाना, शराब पीकर गाड़ी चलाना, रैश ड्राइविंग आदि कारण शामिल हैं. लेकिन अपनी लेन में नहीं चलने के कारण कभी कोई चालान नहीं होता है. लेन में चलते हुए कभी भी बहुत तेज गति से गाड़ी नहीं चलायी जा सकती है, न ही रैश ड्राइविंग ही हो सकती है. लाल बत्ती भी पार नहीं कर सकते हैं आप. इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लेन ड्राइविंग सिस्टम लागू करना बहुत जरूरी है.

इस सिस्टम को लागू नहीं करने के कारण ही यातायात नियमों का उल्लंघन होता है. यह पुलिस पर प्रश्नचिह्न है कि आजतक उसने कहीं भी लेन ड्राइविंग को फिक्स क्यों नहीं किया. केवल लाल बत्ती पर ही लेन ड्राइविंग सिस्टम को फिक्स कर दिया जाये, तो 80 प्रतिशत यातायात नियमों का उल्लंघन अपने आप ही रुक जायेगा. नतीजा, दुर्घटनाओं में भी कमी आ जायेगी. हाइवे पर भी लेन में न चलने के कारण ही दुर्घटना होती है. भारी वाहनों को यदि बायीं ओर चलने के लिए फिक्स कर दिया जाये, तो छोटी गाड़ियां अपनी लेन से आराम से निकलती रहेंगी.

कोरोना संबंधी निर्देशः इनके लिए कुछ और तो उनके लिए कुछ और

पिछले दिनों देश में कई महत्वपूर्ण त्यौहार गुजर गए। जिनसे न केवल करोड़ों धर्मावलंबियों की आस्थाएं जुड़ी हुई हैं बल्कि इन त्योहारों व इनसे संबंधित आयोजनों से बाजारों में रौनक भी बढ़ती है और देश की अर्थव्यवस्था पर भी इन त्योहारों की रौनक प्रभाव डालती है। वे सभी त्यौहार सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार या तो नहीं मनाए गए या अति सीमित तरीके से मनाए गए। या यूं कहें कि मनाने की फर्ज अदायगी की गई। जाहिर है सरकार या अदालतों के जो भी दिशानिर्देश थे उसके पीछे का मकसद जनहित ही था। आम लोगों को कोरोना के प्रकोप से बचाने तथा इस महामारी का और अधिक विस्तार न होने देने के उद्देश्य से ही लॉकडाऊन से लेकर अनलॉक के अंतर्गत भी विभिन्न चरणों में लगाए जाने वाले तरह-तरह के प्रतिबंध व दिशानिर्देश घोषित किये गए। परन्तु इन प्रतिबंधों के अंतर्गत कई दिशानिर्देश ऐसे भी हैं जो जनमानस के मस्तिष्क में तरह-तरह के सवाल पैदा करते हैं। उदाहरण के तौर पर जिस दौरान कोरोना पूरी दुनिया को अपनी चपेट में लेने के लिए तेजी से अपना विस्तार कर रहा था उन्हीं दिनों 24-25 फरवरी 2020 को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दो दिवसीय दौरे पर भारत पधारते हैं। उनके आने से पूर्व हजारों की संख्या में अप्रवासी भारतीय तथा ट्रंप के दौरे से संबंधित अमेरिकी एजेन्सीज के लोग हजारों की तादाद में बेरोक-टोक गुजरात आते हैं। अहमदाबाद में लगभग 22 किलोमीटर के मार्ग पर लाखों लोग बिना किसी सामाजिक दूरी बनाए हुए सड़कों पर इकठ्ठ होते हैं। कहीं न तो सामाजिक दूरी न मास्क न ही सेनिटाइजर। नतीजे में गुजरात खास तौर पर अहमदाबाद में कोरोना ने क्या तांडव दिखाया और अभी भी दिखा रहा है, यह किसी से छुपा नहीं है। इसके बाद मार्च-अप्रैल के बीच मध्य प्रदेश की केवल 15 माह पुरानी सरकार को गिराने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने जिस तरह एक दो नहीं बल्कि अनेक बार कोरोना संबंधी दिशानिर्देशों की धज्जियां उड़ाते हुए विधायकों व भाजपा कार्यकर्ताओं की मीटिंग लेते रहे। केवल भाजपा ही नहीं बल्कि कांग्रेस के लोग भी भोपाल में जिस प्रकार कोरोना संबंधी दिशानिर्देशों की अवहेलना करते दिखाई पड़े, आज तक न इन पर कोई कार्रवाई करने वाला नजर आया न ही मीडिया ने इसे चर्चा का विषय बनाया। यही स्थिति जुलाई-अगस्त माह के दौरान राजस्थान में उन दिनों फिर देखने को मिली जबकि कोरोना का प्रकोप पूरी तेजी के साथ निरंतर बढ़ता जा रहा था। भाजपा-कांग्रेस के बीच राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार को गिराने व बचाने का लोकतंत्र विरोधी खेल लगभग महीने भर चलता रहा। इस दौरान विधायकों को एकजुट रखने के लिए उन्हें कभी पांच सितारा होटल में तो कभी किसी रिसोर्ट में रखने व कभी बसों में बैठकर एक जगह से दूसरी जगह श्सुरक्षितश् लाने ले जाने के दृश्य देखे गए। प्रायरू हर जगह यह विधायक गण कोरोना संबंधी नियमों की पूरी तरह अनदेखी करते नजर आए। कुछ मीडिया चौनल्स ने इस का जिक्रभी किया मगर कभी श्लोकतंत्र के इन प्रहरियोंश् व श्नीति निर्माताओंश् के विरुद्ध कोई कार्रवाई होते नहीं सुनाई दी। अभी कुछ दिन पूर्व ज्योतिरादित्य सिंधिया भाजपा में शामिल होने के बाद जब पहली बार ग्वालियर गए तो उनके कई कार्यक्रमों व काफिलों को देखकर इस बात का तो यकीन ही नहीं हो रहा था कि हम कोरोना काल में जी रहे हैं या देश कोरोना के संकट से बुरी तरह जूझ रहा है।

जरूरत पड़ने पर प्रधानमंत्री के ही आह्वान पर थाली व ताली बजाकर कोरोना भगाते-भगाते स्वयं जनता ही देश के कई भागों में सड़कों पर उतर आती है तो उसे जनता की अनुशासनहीनता या कोरोना नियमों का उल्लंघन नहीं बल्कि सरकार के प्रति जनता का समर्थन व कोरोना से लड़ने हेतु जनता की एकजुटता बताया जाता है। यही स्थिति दिया, टॉर्च व मोबाइल लाइट जलाने के आह्वान के बाद भी हुई थी। यही सरकार अपने राजनैतिक लाभ के मद्देनजर अयोध्या में शिलान्यास कार्यक्रम भी आयोजित कर लेती है। और अब बिहार में चुनाव के लिए भी राजनैतिक दलों ने ताल ठोक दी है। बिहार के वह बाढ़ पीड़ित जिन्हें सरकारी सहायता या प्रबंध का लाभ नहीं मिल पा रहा वे भी अपनी जान बचाने के लिए कहीं सड़कों पर, कहीं बांधों पर, कहीं स्कूलों या अन्य भवनों में इकठ्ठे रह रहे हैं। यहां सामाजिक दूरी न बनाए रखने व मास्क व सेनिटाइजर आदि का उपयोग न कर पाने के लिए पूरी तरह सरकार जिम्मेदार है। क्योंकि सरकार न तो बाढ़ को नियंत्रित कर पा रही है न ही इससे प्रभावित लाखों लोगों को कोरोना के नियम कानून व प्रतिबंधों व दिशानिर्देशों के तहत सहायता, सुरक्षा व संरक्षण दे पा रही है। झारखंड में कोरोना नियमों की अनदेखी करने व मास्क न पहनने पर एक लाख रुपये का जुर्माना और 2 साल की जेल की सजा का कानून संक्रामक रोग अध्यादेश 2020 पास किया गया है। इसके अंतर्गत सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने वाले और मास्क न पहनने वालों को 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। इतना ही नहीं बल्कि कोई नियमों का उल्लंघन करता है या मास्क नहीं पहनता है तो उसे 2 साल तक जेल में भी रहना पड़ सकता है। याद रखें कि झारखण्ड में आज भी करोड़ों लोगों को दो वक्त की सूखी रोटी भी नसीब नहीं होती। वह कहां से मास्क खरीदेंगे तो कैसे जुर्माना भरेंगे? फिर जब मास्क न लगाना इतना बड़ा अपराध है तो सत्ता की जोड़-तोड़ में लगे विधायक या उनके चेले चपाटे जो मोटरसाइकिल जुलूसों पर हाथों में झंडे लेकर नारेबाजी करते फिर रहे थे या दिया-बत्ती जलाते व ताली-थाली बजाते हुए जश्न मना रहे थे,क्या उनके लिए कोई कानून नहीं?उपरोक्त परिस्थितियां निश्चित रूप से प्रत्येक देशवासी को यह सोचने के लिए बाध्य करती हैं कि क्या कोरोना के नियम व कानून कायदे केवल जनता के पालन के लिए बनाए गए हैं। इसी जनता के रहमोकरम पर चुने जाने वाले नेताओं के लिए नहीं?

गौरतलब है कि इसी देश में एक देश एक कानून की आवाज भी अक्सर सुनाई देती है। परन्तु हकीकत इस अवधारणा को हरगिज स्वीकार नहीं करती। यहां अमीरों के लिए अलग कानून कायदे हैं तो गरीबों के लिए अलग। मतदाताओं के लिए अलग नेताओं के अलग। सत्ताधीशों के अलग तो विपक्ष के लिए अलग। भक्तों के लिए अलग तो आलोचकों के लिए अलग। भावनाओं की बात करें तो भावनाएं भी वही हैं व उन्हीं का सम्मान किया जाना है जिन्हें सरकार या प्रशासन मान्यता दे अन्यथा धरातल पर तो यही दिखाई दे रहा है कि कोरोना संबंधी नियम कानून रू इनके लिए कुछ और तो उनके लिए कुछ और?

अकुशल श्रमिकों के लिए भी हों मौके?

शहरों में आनेवाले ग्रामीण प्रवासी अक्सर खराब रिहायशी इलाकों में, अमूमन मलिन बस्तियों में रहते हैं, जहां जीवनयापन की तमाम दुश्वारियां होती हैं. ऐसी जगहों पर मूलभूत सुविधाओं से जुड़े सार्वजनिक ढांचे का बड़ा अभाव होता है. खराब आवास के लिए भी उन्हें अपनी आमदनी का बड़ा हिस्सा व्यय करना होता है. उन्हें मिलनेवाली तनख्वाह आवासीय खर्च को पूरा करने के लिए अपर्याप्त होती है, इससे अन्य खर्चों और बचत के लिए गुंजाइश कम हो जाती है. इसमें आश्चर्य नहीं कि गांवों से पलायन कर शहरों में पहुंचे अकुशल लोग इतनी कमाई नहीं कर पाते कि उनका जीवन स्तर ऊपर उठ सके. अच्छी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य तक पहुंच ही उनके परिवार की पीढ़ीगत तरक्की का अहम जरिया है. अनुभव बताता है कि ऐसे लोग खराब आवासीय इलाकों या मलिन बस्तियों में इसलिए रहना स्वीकार करते हैं, ताकि वे अपने बच्चों की शिक्षा के लिए कुछ बचत कर सकें. जीवन से जुड़ी मूलभूत सुविधाओं में निवेश करने की सरकार की अक्षमता, इन परिवारों की मुश्किलों का कारण बनती है. ऐसे परिवारों के बच्चे स्कूलों में रहने की बजाय अक्सर भीख मांगते हुए दिखते हैं या गलियों और सड़कों पर सामान बेचते नजर आते हैं, कई बच्चे तो आपराधिक कार्यों में भी संलिप्त हो जाते हैं. वर्तमान में,िवश्व की आधी आबादी शहरों की निवासी हो चुकी है और अगले कुछ दशकों में अनेक विकसित देशों में पूर्ण रूप से शहरीकरण का विस्तार हो जायेगा. दुनियाभर में वर्तमान में हर चौथा व्यक्ति मलिन बस्तियों में रहता है. विकासशील देशों में तो यह अनुपात और भी अधिक है- ताज्जुब की बात है कि भारत में यह 24 प्रतिशत है. शहरीकरण की तेज प्रक्रिया की वजह से अनेक विकासशील देशों में जल आपूर्ति, जल निकासी, सार्वजनिक स्वास्थ्य पर बोझ बढ़ रहा है. आने वाले वर्षों में ऊर्जा खपत से कॉर्बन उत्सर्जन बढ़ेगा और इससे पर्यावरण भी प्रभावित होगा. देश में शहरी आबादी को वायु प्रदूषण की वजह से जहरीली हवा में सांस लेना होगा और साथ ही वायु प्रदूषण से मौतें भी होंगी. अक्सर, शहरों में मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं के लिए गरीब आबादी को ही जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है. अक्सर उन्हें गंदगी और अव्यवस्था के लिए दोषी कहा जाता है, जबकि सार्वजनिक सेवाओं को उपलब्ध कराने में शहरी प्राधिकरण संघर्ष कर रहे होते हैं. विभिन्न स्तरों पर शहरों को रहने योग्य तथा अपने नागरिकों का भविष्य बेहतर बनाने की कोशिशें होती रहती हैं.

आवासीय योजनाओं के लिए सार्वजनिक जमीनों को खाली कराने और योजनाबद्ध तरीके से उसके अधिग्रहण के बजाय अमूमन विध्वंस और लोगों के विस्थापन को समाधान के तौर पर देखा जाता है. पाइप जलापूर्ति से गंदी बस्तियों में रहने वाले लोगों को दूषित पानी की समस्या से छुटकारा मिल सकता है, साथ ही अगर ऐसे स्थानों पर जलनिकासी की उचित व्यवस्था हो, तो घरों की मरम्मत कराने की दिक्कतों और जल प्रदूषण से होनेवाली बीमारियों से भी निजात मिल सकती है. स्ट्रीट लाइट होने से ऐसे जगहों पर होनेवाले अपराधों में कमी आती है. अगर आम लोगों के हितों को ध्यान रखकर उक्त बातों पर काम किया जाये, साथ ही समय और धन की समस्या के समाधान के लिए ऐसे समुदायों की सहमति से परियोजना की कुल लागत में उनका हिस्सा तय किया जाये, तो इन सुविधाओं के लिए उन्हें अन्य विकल्पों को आजमाने की जहमत नहीं उठानी पड़ेगी.

शहरी क्षेत्रों का भविष्य कुशल लोगों की आय में निरंतर वृद्धि पर टिका है. अनस्ट्रक्चर्ड फिजिकल एक्टिविटी वाले कार्यों का ऑटोमेशन नहीं हो सकता. ऐसी दशा में इन क्षेत्र में रोजगार की मांग बनी रहेगी, लेकिन जीवनयापन के लिए इन क्षेत्रों में काम करनेवालों को पर्याप्त तनख्वाह नहीं मिल सकेगी. खास बात है कि पलायन कर शहरी क्षेत्रों में पहुंचनेवाले ज्यादातर प्रवासी इसी कार्यक्षेत्र के दायरे में होंगे. शहरों की कामयाबी इस बात निर्भर करेगी कि वे अनेक कार्यों की परिस्थितियों के लिए वे कैसे समावेशी समाधान निकालते हैं और कैसे अर्धकुशल लोगों के लिए भी रहने की व्यवस्था कर पाते हैं, ताकि शहरों व वहां के निवासियों की स्थिति में सुधार हो सके. शहरों में भीड़ लगातार बढ़ती जायेगी और इससे लाभ तथा शहरी सघनता के दुष्प्रभाव दोनों होंगे. शहरों में लोगों को आमदनी के लाभ के साथ-साथ लगातार संकरी सड़कों, अशुद्ध एवं अपर्याप्त जलापूर्ति और वायु प्रदूषण जैसी अनेक समस्याओं से भी जूझना होगा. मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने, नियमितीकरण और आबादी के सभी वर्गों की सुविधाओं पर केंद्रित राजनीति उनकी बेहतरी के लिए अहम होगी. अन्यथा, इस बात की अधिक संभावना है कि शहर जिस तरह से बढ़ रहे हैं, उससे आगे के हालात बहुत ही चिंताजनक और खतरनाक होंगे. संस्थानिक तौर पर कामगारों की समस्याओं को नजरअंदाज किये जाने से उनकी दिक्कतें लगातार बढ़ेंगी, इससे वे अवसरवादी तरीके से भीड़ का हिस्सा बनेंगे. नीतियों में टैरिफ और विनियामक बाधाओं को दूर करने, लेन-देन की लागत को कम करने तथा कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने पर जोर रहा है. इससे आगे व्यापार विकास और आर्थिक वृद्धि होगी, जिससे इसका विस्तार शहरों के निकटवर्ती क्षेत्रों में भी होगा. अधिकांश लोग, जो अनस्ट्रक्चर्ड फिजिकल एक्टिविटी से जुड़ी नौकरियों में होंगे, उनका भविष्य स्थायी तौर पर उनकी धन तथा शैक्षणिक निवेश तक बेहतर पहुंच पर टिका होगा. यह उच्च कौशल वाले कार्यों में उनकी भागीदारी के लिए अहम होगा. आनेवाले दशकों में यह सबसे महत्वपूर्ण होने जा रहा है.

पबजी पर पाबंदी

चीन की आक्रामकता को कुंद करने के प्रयास के क्रम में भारत सरकार ने कई ऐसे मोबाइल एप को प्रतिबंधित किया है, जो हमारी सुरक्षा और अखंडता के लिए खतरा बन गये. चीनी कंपनियों के स्वामित्व या सहयोग से संचालित ये एप भारतीय उपयोगकर्ताओं के डेटा चुराने और उन्हें अवैध रूप से संग्रहित कर रहे थे. इन्हीं में एक कुख्यात मोबाइल गेम पबजी का एप भी शामिल है, जिसमें एक चीनी कंपनी का निवेश है. पिछले साल इस खेल की लत के शिकार बच्चों में हिंसक और आत्मघाती होने के लक्षणों के सामने आने के बाद कई मनोवैज्ञानिकों और शिक्षकों ने इस पर रोक लगाने की मांग की थी. देश में अनेक जगहों पर कुछ समय के लिए पाबंदी भी लगायी गयी थी. इस साल जनवरी में पंजाब में दायर याचिका में इस डिजिटल गेम की तुलना नशीले पदार्थों के साथ करते हुए बताया गया था कि बच्चों में इसकी लत लग जाती है. अनेक मामलों में यह भी देखा गया है कि यदि अभिभावक बच्चों को इसे खेलने से रोकते हैं, तो बच्चों का व्यवहार आक्रामक हो जाता है. दुनियाभर में मनोचिकित्सक लंबे समय से चेतावनी देते रहे हैं कि डिजिटल खेलों को इस तरह तैयार किया जाता है कि बच्चे व किशोर उसके आदी हो जाएं. यह सही है कि आखिरकार माता-पिता और शिक्षक ही ऐसे खेलों से बच्चों को दूर रख सकते हैं, लेकिन शिक्षा व मनोरंजन में डिजिटल तकनीक बड़ी जरूरत भी बन गयी है. कोरोना महामारी ने इस जरूरत को बहुत ज्यादा बढ़ा भी दिया है. ऐसे में बच्चों व किशोरों पर हमेशा निगरानी रख पाना संभव नहीं है. इसमें अभिभावकों व शिक्षकों की व्यस्तता भी बाधा बनती है. एक समस्या यह भी है कि पाबंदी के लिए समुचित कानूनी प्रावधानों का अभाव है. डिजिटल गेम की गुणवत्ता जांचने की प्रणाली भी नहीं है. जब समस्या गंभीर हो जाती है, तब ही किसी तरह रोक लगायी जाती है, जैसा कि ब्लू व्हेल के मामले में हुआ था. उस गेम में कुछ अनाम-अज्ञात नियंत्रक खेलनेवाले बच्चों को अपने को चोटिल करने, यहां तक कि आत्महत्या करने, के लिए भी उकसाते थे. उस पर भी रोक तब लगी, जब अनेक देशों में हंगामा होने लगा तथा इसके नियंत्रकों को पकड़ा गया.

सार समाचार ....

तेज गेंदबाज के लिए अलग-अलग कंडीशन में खेलना मुश्किल

नई दिल्ली एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनिस ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) को एक सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में सभी टीमों के एक तरह की बॉल ही इस्तेमाल करनी चाहिए। इसके कारण तेज गेंदबाजों को अलग-अलग कंडीशन में खेलना मुश्किल होता है। टेस्ट क्रिकेट तीन तरह की ड्यूक, कूकाबुरा और एसजी बॉल इस्तेमाल की जाती है। पाकिस्तान समेत 8 टीमें कूकाबुरा और भारत अकेला एसजी बॉल से टेस्ट खेलता है। वहीं, ड्यूक का इस्तेमाल सिर्फ तीन टीमें इंग्लैंड, आयरलैंड और वेस्टइंडीज ही करती हैं।

'मैं ड्यूक बॉल के पक्ष में रहा हूं'

कूकाबुरा से खेलने वाली पाकिस्तान टीम को हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर 3 टेस्ट की सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। इसको लेकर वकार ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के लिए लिखे एक कॉलम में कहा, ''मैं हमेशा से ही ड्यूक बॉल के पक्ष में रहा हूं। मेरा मानना रहा है कि सभी टेस्ट खेलने वाली टीमों के एक ही बॉल का इस्तेमाल करना चाहिए।''

'कोई से भी ब्रांड की हो, लेकिन सिर्फ एक ही बॉल होनी चाहिए'

उन्होंने कहा, ''यह मायने नहीं रखता कि कौन से ब्रांड की बॉल इस्तेमाल की जाए, लेकिन आईसीसी को इस पर जल्द फैसला लेना चाहिए। तेज गेंदबाज पूरी दुनिया में अलग-अलग परिस्थिति में मैच खेलते हैं। ऐसे में उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।''

इंग्लैंड में बॉल चमकाने की ज्यादा जरूरत नहीं होती

कोरोना के कारण आईसीसी ने हाल ही में बॉल को चमकाने के लिए थूक के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी है। इस पर वकार ने कहा, ''इस सीरीज में दोनों टीमों के सामने थूक के इस्तेमाल का प्रतिबंध भी एक बड़ी चुनौती थी। हालांकि, इंग्लैंड में अलग ही तरह का मौसम होता है, ऐसे में वहां ज्यादा जरूरत भी नहीं होती है।''

बॉल के इस्तेमाल को लेकर कोई आईसीसी नियम नहीं

बॉल के इस्तेमाल को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कोई खास दिशा-निर्देश नहीं हैं। सभी देश अपनी कंडीशन के लिहाज से बॉल का इस्तेमाल करते हैं। भारत में एसजी, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज में ड्यूक, जबकि अन्य देशों में कूकाबुरा बॉल का इस्तेमाल किया जाता है।

ब्राजील में अब महिला-पुरुष टीमों को समान वेतन मिलेगा

बेंगलुरू एजेंसी। ब्राजील फुटबॉल फेडरेशन अब महिला टीम को पुरुष टीम के बराबर वेतन देगा। फेडरेशन के अध्यक्ष रोजिरियो कबोक्लो ने बताया कि पुरस्कार राशि, भत्ते बराबर हो जाने के बाद अब महिलाओं को पुरुष टीम के बराबर राशि मिलेगी। यानी ब्राजील की महिला खिलाड़ी मार्ता, फोरमिगा और लेटिसिया सांतोस को नेमार, गेब्रियल जीसस और रॉबर्टो फरमिनो के बराबर वेतन मिलेगा।

ऑस्ट्रेलिया, नॉर्वे और न्यूजीलैंड में पहले से यह नियम लागू है। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अमेरिकी महिला टीम ने मार्च 2019 में अपने फेडरेशन के खिलाफ वेतन और शर्तों पर भेदभाव का मुकदमा दायर किया था। इस साल मई में उनके मामले को खारिज कर दिया। लेकिन टीम ने फिर अपील की है।

अगले साल ओलिंपिक के साथ नियम लागू होगा

ब्राजील फुटबॉलर कन्फेडरेशन ने कहा कि फैसले के बारे में मार्च में महिला टीम और उनके स्वीडिश कोच को सूचित किया गया था। यह व्यवस्था अगले साल टोक्यो में होने वाले ओलिंपिक खेलों में भाग लेने वाली टीमों के साथ-साथ अगले पुरुष और महिला वर्ल्ड कप में भी लागू की जाएगी। पुरुषों की टीम फुटबॉल में सबसे अधिक सफल रही है, जिसने पांच बार वर्ल्ड कप जीता है। जबकि महिला टीम कोई खिताब नहीं जीत सकी है। 2007 में टीम फाइनल में जगह बना चुकी है। टीम 2004 और 2008 ओलिंपिक में सिल्वर मेडल जीत चुकी है। गत वर्ष ब्राजील की प्रोफेशनल लीग ने भी महिला-पुरुष क्लबों को समान प्राइज मनी देने की घोषणा की थी।

ओलिंपिक क्वालिफाइड दीपक पूनिया समेत 3 पहलवान संक्रमित हुए

भोपाल एजेंसी। टोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके दीपक पूनिया समेत तीन भारतीय रेसलर का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। सभी रेसलर हरियाणा के सोनीपत साई सेंटर में 1 सितंबर से शुरू हुए रेसलिंग के नेशनल कैंप में शामिल थे।

दीपक (86 किग्रा कैटेगरी) वर्ल्ड चैम्पियनशिप में सिल्वर मेडल जीत चुके हैं। उनके अलावा नवीन (65 किग्रा कैटेगरी) और कृष्णा (125 किग्रा कैटेगरी) भी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। रिपोर्ट के बाद सभी को क्वारैंटाइन कर दिया गया है।

'नेशनल कैंप पर कोई खतरा नहीं, यह जारी रहेगा' रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) के सहायक सचिव विनोद तोमर ने न्यूज एजेंसी से कहा, ''यह कैंप पूरी तैयारी और प्लान के साथ शुरू किया गया। इन सभी (तीनों रेसलर) का दो दिन बाद फिर से टेस्ट किया जाएगा। यदि रिपोर्ट निगेटिव आती है, तो उन्हें फिर से कैंप में शामिल किया जा सकेगा।

चेन्नई सुपरकिंग्स का दूसरा खिलाड़ी आई.पी.एल. से हटा

हरभजन ने आईपीएल के 160 मैचों में 150 विकेट लिए, 829 रन भी बनाए सीएसके के 2 खिलाड़ी के अलावा 11 स्टाफ मेंबर कोरोना पॉजिटिव पाए जा चुके हैं

न्यूयॉर्क | एजेंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) शुरू होने से पहले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। सुरेश रैना के बाद अब ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह भी टूर्नामेंट से हट गए हैं।हरभजन ने भी आईपीएल से हटने का कारण निजी बताया है। सुरेश रैना देश लौट चुके हैं। हरभजन टीम के साथ यूएई नहीं गए थे।

हरभजन ने आईपीएल के 160 मैचों में कुल 150 विकेट लिए हैं। इस दौरान उन्होंने 829 रन भी बनाए।

3 बार खिताब जीत चुकी चेन्नई टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी हैं। हरभजन और रैना जैसे बड़े खिलाड़ियों के हटने से धोनी और टीम दोनों के लिए परेशानी बढ़ना तय है। रैना मिडिल ऑर्डर के आक्रामक बल्लेबाज हैं। वहीं, हरभजन विपक्षी टीम के न सिर्फ विकेट निकाल लेते हैं बल्कि, रन रेट पर भी काबू कर सकते हैं।

सीएसके के दो खिलाड़ी और 11 स्टाफ संक्रमित

हाल ही में सीएसके टीम के 2 खिलाड़ी दीपक चाहर और ऋतुराज गायकवाड़ के अलावा 11 स्टाफ मेंबर का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया था। 14 दिन के क्वारैंटाइन पीरियड के बाद अगले हफ्ते सभी का दो बार कोरोना टेस्ट होगा। दोनों बार रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद ही उन्हें टीम के प्रैक्टिस कैंप में शामिल किया जाएगा। हालांकि, इन 13 लोगों को छोड़कर सभी सदस्यों का तीसरे राउंड का टेस्ट निगेटिव आया है। इसी के साथ टीम ने दीपक और ऋतुराज के बिना शुक्रवार से ट्रेनिंग शुरू कर दी है।

19 सितंबर से शुरू होगा आईपीएल

इस बार आईपीएल कोरोना के कारण यूएई में 19 सितंबर से 10 नवंबर तक होना है। सभी 8 टीमों के बीच 60 मुकाबले तीन स्टेडियम दुबई, शारजाह और अबु धाबी में होंगे। टूर्नामेंट बायो-सिक्योर माहौल में खेला जाएगा। हर 5वें दिन सभी खिलाड़ियों और स्टाफ मेंबर्स का कोरोना टेस्ट होगा।

कप्तान अजीम रफीक बोले- हर रोज प्रताड़ना का दुख झेला

लाहौर, (जी.एन.एस) पाकिस्तानी मूल के क्रिकेटर अजीम रफीक (39) ने कहा है कि इंग्लैंड में वे कई बार नस्लभेद का शिकार हुए हैं। काउंटी क्लब यॉर्कशायर की ओर से खेलते हुए उन्होंने हर रोज प्रताड़ना का दुख झेला है। इंग्लैंड की अंडर-19 टीम के कप्तान रह चुके रफीक ने कहा कि भेदभाव के कारण कई बार उनके दिमाग में खुदकुशी करने के विचार भी आते थे। कराची में जन्मे रफीक यॉर्कशायर के भी कप्तान रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि 2016 से 2018 के बीच 2 साल सबसे ज्यादा झेला। कई बार मैनेजमेंट से इस बारे में शिकायत की, लेकिन हमेशा नजरअंदाज ही किया गया। अब तो मानवता से ही विश्वास उठ गया है। रफीक ने क्रिकेट वेबसाइट ईएसपीएनक्रिकइंफो से कहा, ''मैं जानता हूं कि यॉर्कशायर की ओर से खेलने के दौरान मैं खुदकुशी करने के कितने करीब पहुंच गया था। मेरे परिवार का सपना था कि मैं बड़ा प्रोफेशनल क्रिकेट बनूं। इसी सपने के साथ मैं खेल रहा था, लेकिन सच कहूं तो अंदर से मैं मर रहा था। मैं काम पर जाते समय डरता था। मैं हर दिन दर्द में रहता था।''

नेमार के बाद पीएसजी क्लब के 3 और प्लेयर पॉजिटिव

नई दिल्ली | एजेंसी।

फ्रांस के फुटबॉल क्लब पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के तीन और प्लेयर का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। एक दिन पहले ही स्टार फुटबॉलर नेमार समेत तीन प्लेयर संक्रमित पाए गए थे। इस बार पीएसजी टीम पहली बार यूईएफए चैम्पियंस लीग के फाइनल में पहुंची थी। जहां 24 अगस्त को जर्मनी के बायर्न म्यूनिख क्लब के हाथों 0-1 से हार झेलनी पड़ी।

हाल ही में नेमार अपने दो साथी फुटबॉलरों एंजेल डि मारिया और लिंएड्रो पारडेस के साथ स्पेन के द्वीप पर छुट्टियां बिताने गए थे। इसके बाद सभी का टेस्ट

पॉजिटिव आया है।

गोलकीपर भी संक्रमित

एक स्पोर्ट्स वेबसाइट के मुताबिक, नए तीन मामलों में पीएसजी के गोलकीपर स्पेनिश केयलोर नवास समेत ब्राजील के ही डिफेंडर मर्क्यूहोस और अर्जेंटीना के स्ट्राइकर मूरो इकार्डी भी संक्रमित पाए गए हैं।

पीएसजी को लीग-1 के नए सीजन का पहला मैच खेलना है

फ्रांस की घरेलू टूर्नामेंट लीग-1 का नया सीजन 21 अगस्त से शुरू हो चुका है। इसमें डिफेंडिंग चैम्पियन पीएसजी को अपना पहला मुकाबला 10 सितंबर को खेलना है। हालांकि, अब खिलाड़ियों के लगातार संक्रमित पाए जाने के कारण यह मैच मुश्किल में लग रहा है।

शेड्यूल फाइनल होने की कगार पर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का शेड्यूल शुक्रवार को जारी कर दिया जाए। यह बात गुरुवार को बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कही। उन्होंने कहा- हम समझते हैं कि शेड्यूल आने में देर हो गई। यह तैयार होने की कगार पर है। यह शुक्रवार तक जारी हो जाना चाहिए। गांगुली ने यह बात न्यूज चैनल से हुई बातचीत में कही है। ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि आईपीएल का पहला मैच पिछली बार की चैंपियन रही मुंबई इंडियंस और रनर-अप रही टीम चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच 19 सितम्बर को खेल जाएगा। इस बीच यूएई में मौजूद बीसीसीआई के सीनियर मेडिकल ऑफिसर कोरोना संक्रमित पाए गए हैं।

यह बड़ा मसला नहीं है क्योंकि उनमें किसी तरह के लक्षण नहीं हैं: अधिकारी

बोर्ड के अधिकारी ने बताया कि यह बात सही है कि हमारी मेडिकल टीम का एक सदस्य कोरोना संक्रमित है। यह बड़ा मसला नहीं है क्योंकि उनमें किसी तरह के लक्षण नहीं हैं और उन्हें फिलहाल आइसोलेशन में रखा गया है। उनकी हेल्थ पर नजर रखी जा रही है। वे किसी के भी संपर्क में नहीं थे और उनके यूएई आने के दौरान संक्रमित होने की आशंका है।

आईपीएल के मैच शेड्यूल के मुताबिक ही होंगे: ट्रैजरर अरुण धूमल

बुधवार को बीसीसीआई के ट्रैजरर अरुण धूमल ने कहा था कि आईपीएल के मैच शेड्यूल के मुताबिक ही होंगे। लीग 19 सितंबर से 10 नवंबर के बीच ही खेली जाएगी। इसके सभी मैच यूएई के तीन शहरों दुबई, अबू धाबी और शारजाह में खेले जाएंगे। पहली बार लीग का फाइनल वीकेंड की जगह वीक-डे (मंगलवार) पर होगा। दोपहर और शाम को होने वाले मैच आधा घंटा पहले शुरू होंगे।

आईपीएल से जुड़े 14 लोग संक्रमित पाए गए थे

29 अगस्त को बीसीसीआई ने 2 खिलाड़ियों समेत 13 लोगों के कोरोना पॉजिटिव होने की जानकारी दी थी।

हालांकि, बोर्ड ने खिलाड़ियों और टीम के नाम का खुलासा नहीं किया था। लेकिन, मीडिया रिपोर्ट्स में यह कहा गया था कि जिन खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, वे सभी चेन्नई सुपरकिंग्स के हैं।

इनमें टीम के तेज गेंदबाज दीपक चाहर और बल्लेबाज रितुराज गायकवाड़ शामिल हैं। यूएई में मौजूद बीसीसीआई के सीनियर मेडिकल ऑफिसर कोरोना संक्रमित पाए गए थे।

खिलाड़ियों को ब्लूटूथ बैज पहनना होगा

बोर्ड ने आईपीएल में कोरोना संक्रमण पर नजर रखने के लिए खिलाड़ियों, ऑफिशियल्स को कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग के लिए ब्लूटूथ बैज दिए हैं। खिलाड़ियों के साथ यूएई आए फैमिली मेंबर्स को भी यह बैज पहनना जरूरी है। वहीं, एक हेल्थ ऐप भी तैयार किया गया है, जिसमें सभी को रोज बॉडी टेम्प्रेचर की जानकारी देनी है।

यूएस ओपन 2020 सुमित नागल दूसरे राउंड में बाहर

नई दिल्ली , एजेंसी।

टेनिस ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन में भारतीय स्टार सुमित नागल दूसरे राउंड में बाहर हो गए हैं। उन्हें ऑस्ट्रिया के वर्ल्ड नंबर-3 डोमिनिक थिएम ने 6-3, 6-3, 6-2 से शिकस्त दी। थिएम का 3 सितंबर को बर्थडे भी था। वे 27 साल के हो गए हैं। वहीं, वुमन्स सिंगल्स में 2 ग्रैंड स्लैम विजेता स्पेन की गार्बिन मुगुरुजा भी हारकर बाहर हो गईं।

इससे पहले सुमित ने पहले राउंड में अमेरिका के ब्रेडली क्लान को 6-1, 6-3, 3-6, 6-1 से हराया था। वे 7 साल में किसी ग्रैंड स्लैम का एक राउंड जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। उनसे पहले सोमदेव देवबर्मन ने ऐसा किया था।नागल को यूएस ओपन में सीधी एंट्री मिली थी

डिफेंडिंग चैम्पियन राफेल नडाल और सबसे ज्यादा 20 ग्रैंड स्लैम विजेता रोजर फेडरर समेत कई दिग्गजों ने कोरोना के कारण टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। इस कारण नागल को यूएस ओपन में सीधी एंट्री मिली थी। वे पिछली बार क्वालिफाई करके पहुंचे थे। तब उन्हें पहले ही राउंड में रोजर फेडरर ने हराया था।

थिएम यूएस ओपन के क्वार्टरफाइनल तक ही पहुंच सके

थिएम ने अपने पहले राउंड में स्पेन के जाउमे मुनार को सीधे सेटों में 7-6, 6-3 से शिकस्त दी थी। थिएम अपने करियर में दो बार फ्रेंच ओपन का सेमीफाइनल (2016 और 2017) खेल चुके हैं। यूएस ओपन में वे अब तक सिर्फ एक बार 2018 में क्वार्टरफाइनल तक पहुंच सके हैं।

मुगुरुजा फ्रेंच ओपन और विंबलडन जीत चुकीं

वहीं, मुगुरुजा को बुल्गारिया की स्वेतना पिरोनकोवा ने सीधे सेटों में 7-5, 6-3 से हराया। महिलाओं में वर्ल्ड नंबर-16 मुगुरुजा यूएस ओपन में अब तक एक बार 2017 में चौथे राउंड तक पहुंच सकी। इससे पहले वे 2016 में फ्रेंच ओपन और 2017 में विंबलडन चैम्पियन रही हैं।

ऑस्ट्रेलिया के पास पहली बार इंग्लैंड में टी-20 सीरीज जीतने का मौका

दिल्ली | एजेंसी।

कोरोनावायरस के बीच 6 महीने बाद ऑस्ट्रेलिया आज अपना पहला टी-20 खेलेगी। टीम को इंग्लैंड के खिलाफ उसी के घर में 3 टी-20 की सीरीज खेलना है। सभी साउथैंप्टन में खेले जाएंगे। पहला मैच 4, दूसरा 6 और तीसरा 8 सितंबर को होगा। इस साल टी-20 रैंकिंग में पहली बार टॉप पर पहुंचा ऑस्ट्रेलिया अब तक इंग्लैंड में कोई टी-20 सीरीज नहीं जीता है। उसके पास दूसरे स्थान पर काबिज इंग्लैंड को उसी के घर में हराने का मौका है।

दोनों देशों के बीच इंग्लैंड में अब तक 5 टी-20 सीरीज हुईं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया 3 में हारा और 2 ड्रॉ रहीं। वहीं, दोनों टीमों के बीच 2 साल पहले हुआ पिछला टी-20 भी ऑस्ट्रेलिया हारा था। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम के पास जीत से

खाता खोलते हुए इंग्लैंड में पहली सीरीज जीत की ओर कदम बढ़ाने का मौका है।

दोनों टीमों के बीच इंग्लैंड में पहली बार 3 टी-20 की सीरीज

दोनों टीमें, इंग्लैंड में पहली बार 3 टी-20 की सीरीज खेलेंगी। इससे पहले 2013 में 2 टी-20 की सीरीज हुई थी। तब दोनों टीमों ने एक-एक मैच जीता था।

ऑस्ट्रेलिया ने पिछले 11 में से 9 टी-20 जीते

ऑस्ट्रेलिया इस साल पहली बार टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचा है। उसने पिछले 11 में से 9 टी-20 जीते हैं। पिछले साल उसने श्रीलंका और पाकिस्तान को अपने घर में हराया था, जबकि इस साल फरवरी में दक्षिण अफ्रीका को उसी के घर में शिकस्त दी थी। उधर, इंग्लैंड ने मार्च 2019 से अब तक 15 टी-20 खेले हैं। इसमें उसे 9 में जीत, जबकि 4 में हार मिली। एक मुकाबला टाई, तो एक बेनतीजा रहा।

टॉप ऑर्डर में वॉर्नर की वापसी से ऑस्ट्रेलिया मजबूत

टॉप ऑर्डर में वॉर्नर की वापसी से ऑस्ट्रेलिया टीम की बल्लेबाजी बहुत मजबूत हुई है। पिछले डेढ़ साल के रिकॉर्ड पर नजर डालें, तो वॉर्नर ने 9 पारियों में 142 के स्ट्राइक रेट से 415 रन बनाए हैं। वॉर्नर के अलावा स्टीव स्मिथ भी टीम के लिए रन मशीन साबित हुए हैं। उन्होंने इस दौरान 6 पारी में 147 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 250 रन बनाए। वहीं, कप्तान एरॉन फिंच ने भी 11 पारियों में 154 की स्ट्राइक रेट से 326 रन बनाए।

इंग्लैंड के मोर्गन और बेंटन पर नजर

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में इंग्लैंड को अपने कप्तान इयोन मोर्गन और टॉम बेंटन से उम्मीद होगी। पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में यही दो बल्लेबाज इंग्लैंड के टॉप स्कोरर रहे। बेंटन ने 3 मैच में 137 रन बनाए, जबकि मोर्गन ने 90 रन।

हेड टू हेड

दोनों देशों के बीच अब तक 16 टी-20 हुए हैं। इसमें ऑस्ट्रेलिया ने 9 और इंग्लैंड ने 6 जीते हैं। एक मैच बेनतीजा रहा। इंग्लैंड में भी ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने यहां 6 टी-20 खेले हैं। इसमें उसे सिर्फ एक में जीत मिली है, जबकि 4 मैच हारा है। एक मुकाबला बेनतीजा रहा। इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक 8 टी-20 सीरीज हुई है। इसमें से तीन इंग्लैंड और दो ऑस्ट्रेलिया जीता है, जबकि तीन सीरीज ड्रॉ रही। पिच और मौसम रिपोर्ट- साउथैंप्टन में मैच के दौरान बादल छाए रहेंगे। तापमान 9 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। पिच से बल्लेबाजों के लिए अच्छी रह सकती है। यहां टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद करेगी। इस मैदान पर अब तक 5 टी-20 मैच हुए हैं। इसमें तीन बार पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है। रोज बाउल मैदान पर कुल टी-20- 5 पहले बल्लेबाजी वाली टीम जीती- 3पहले गेंदबाजी वाली टीम जीती।

मेसी को बार्सिलोना में रोकने की कोशिश

नई दिल्ली | एजेंसी।

स्पेनिश क्लब बार्सिलोना अपने स्टार स्ट्राइकर अर्जेंटीना के लियोनल मेसी को रोकने की पूरी कोशिश कर रहा है। स्पेनिश मीडिया के मुताबिक, क्लब के डायरेक्टर जोसेप मारिया मार्तोमेउ ने मेसी के पिता जॉर्ज के साथ बुधवार देर रात को करीब डेढ़ घंटे तक मीटिंग की। इस दौरान जॉर्ज ने कहा कि वे मेसी को सिर्फ मौजूदा सीजन में खेलने के लिए मना सकते हैं, लेकिन 2022 फीफा वर्ल्ड कप तक मुश्किल है।

मेसी ने क्लब के साथ 2017 में कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाया था, जो जून 2021 में खत्म हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मेसी क्लब को छोड़ चुके हैं। हाल ही में क्लब ने भी यह पुष्टि की थी कि मेसी ने कार्रवाई आगे बढ़ाने के लिए मैनेजमेंट को दस्तावेज भी भेज दिए हैं।

2022 तक कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाना चाहता है क्लब

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेसी के पिता गुरुवार सुबह अर्जेंटीना लौट गए थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से कहा कि मेसी का बार्सिलोना में रहना मुश्किल हो गया है। जॉर्ज का यही रुख बैठक के दौरान भी था। बार्सिलोना के डायरेक्टर ने मेसी के साथ 2022 फीफा वर्ल्ड कप तक कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाने का प्रस्ताव भी रखा था।

मेसी और क्लब के बीच कॉन्ट्रैक्ट नियम को लेकर तनातनी

इस पर जॉर्ज ने कहा कि वे अपने बेटे को सिर्फ मौजूदा सीजन खेलने के लिए मना सकते हैं। यदि फिर भी वह क्लब को छोड़ना चाहता है, तो कॉन्ट्रैक्ट नियम उसे फ्री में जाने की मंजूरी देते हैं। हालांकि, क्लब और स्पेनिश टूर्नामेंट ला लिगा मैनेजमेंट इस बात से इनकार करते हैं। उनका मानना है कि करार तोड़ने पर मेसी को 700 मिलियन यूरो (करीब 6 हजार करोड़ रुपए) चुकाने होंगे।

मेसी के मुताबिक, वे क्लब को छोड़ चुके

दरअसल, 15 अगस्त को ही चैम्पियंस लीग के क्वार्टरफाइनल में जर्मनी के क्लब बायर्न म्यूनिख ने बार्सिलोना को 8-2 से हराया था। यह क्लब की अब तक की सबसे बड़ी हार है। इसके बाद मेसी ने साफ कह दिया कि वे क्लब छोड़ चुके हैं। वह खुद को फ्री एजेंट मान रहे हैं। पिछले हफ्ते ही उन्होंने फैक्स भेजकर क्लब को यह जानकारी दे दी थी। इसके बाद टेस्ट और ट्रेनिंग में भी नहीं पहुंचे।

मैनचेस्टर सिटी के साथ 6 हजार करोड़ रु. की डील संभव

यूरोपियन मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, मेसी इंग्लिश क्लब मैनचेस्टर सिटी के साथ 5 साल की डील के लिए राजी हो गए हैं। यह डील 700 मिलियन यूरो (करीब 6 हजार करोड़ रुपए) की होगी। इस तरह मेसी हर घंटे 14 लाख की कमाई करेंगे।

बार्सिलोना के लिए मेसी ने अब तक 634 गोल किए

मेसी ने बार्सिलोना के लिए 18 साल की उम्र में 16 अक्टूबर 2004 को डेब्यू किया था। तब से अब तक उन्होंने टीम के लिए 731 मैच में 634 गोल दागे और 276 असिस्ट किए हैं। इस दौरान उन्होंने टीम को 10 ला लिगा और 4 यूईएफए चैम्पियंस लीग समेत 34 खिताब जिताए हैं।

बिग बॉस के नए सीजन के लिए सलमान खान ने बढ़ाई अपनी फीस,शो होस्ट करने के लिए करेंगे करोड़ो फीस

टीवी का पॉपुलर शो बिग बॉस एक बार फिर से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए आ रहा है। इस बार बिग बॉस का 14वां सीजन आएगा और वह अभी से भी चर्चा का विषय बना हुआ है। कंटेस्टेंट को लेकर कभी बिग बॉस का यह सीजन सुर्खियों में बना जाता है तो कभी इसके घर के नए फॉर्मेट को लेकर बनता है। इसी बीच सलमान खन बिग बॉस 14 में कितनी फीस ले रहे हैं वह चर्चा का विषय बन गया है। बिग बॉस 14 सलमान खान इस साल भी होस्ट करते हुए नजर आएंगे। टीवी का सबसे फेमस रियलिटि शो अक्टूबर में शुरु होगा और एक घर के अंदर कई कंटेस्टेंट बंद होंगे। सलमान खान बिग बॉस के लिए कितनी फीस चार्ज करते हैं हर सीजन में यही बात सबसे ज्यादा चर्चा में बनी रहती है। इस साल भी ऐसा ही कुछ देखने को मिल रहा है।बिग बॉस के हर सीजन में अपनी फीस सलमान खान बढ़ाते हैं। सलमान खान ने इस सीजन में जितनी फीस की मांग की उतनी ही शो के मेकर्स ने दी। सूत्रों के हवाले से पता चला है कि बिग बॉस 14 होस्ट करने के लिए तौर पर सलमान खान 450 करोड़ रूपए लेंगे। इस रकम के अनुसार, सलमान खान को 20 करोड़ रूपए एक एपिसोड के मिलेंगे। सोशल मीडिया पर यह खबर आग ही तरह फैल रही है।

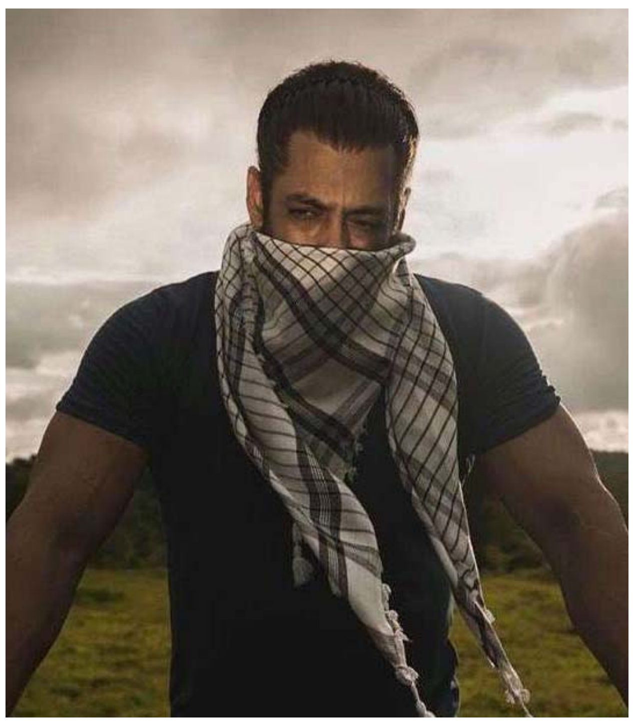

जिसने भी इस खबर को सुना है वह चौंक गया है। हालांकि सलमान खान की तरफ से यह खबर नहीं आई है। लेकिन सूत्रों की मानें तो पिछले सीजन से ज्यादा सलमान खान इस सीजन में फीस लेंगे। हर सीजन से पहले सलमान खान की फीस को लेकर सुर्खियां बनी होती हैं। सलमान खान की फीस पर सबकी निगाहें बिग बॉस के नए सीजन शुरु होने से पहले हो जाती है। इस खबर पर दर्शक खूब अपनी प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर दे रहे हैं। बिग बॉस के हर सीजन में फटकार लगाते सलमान खान नजर आते हैं साथ ही वह घरवालों के मसले भी सुलझाते देखते हैं। बिग बॉस के 13वें सीजन ने टीआरपी के सारे रिकॉर्ड तो तोड़े थे साथ ही कई और भी बनाए थे। बता दें कि फिल्मसिटी में बिग बॉस 14 का सेट तैयार हो रहा है। 4 अक्टूबर को शो का ग्रैंड प्रीमियर होगा। कंगना रनौत ने अब अनुभव सिन्हा पर तंज कसते हुए कहा-आपको ऐसी पार्टियों में नहीं बुलाया.....बॉलीवुड की क्वीन कंगना रनौत पिछले काफी समय से सोशल मीडिया पर एक्टिव रह रही हैं। फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े सितारों पर हमला उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद किया है और कई संगीन आरोप उनपर लगाए हैं। एक निजी चैनल को कंगना रनौत ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया है और उस दौरान उन्होंने कहा कि ड्रग्स का सेवन 99 प्रतिशत बॉलीवुड सितारों ने अपने जीवन में किया है। हालांकि ऐसा ही एक ट्वीट करते हुए कंगना ने इंडस्ट्री के कुछ एक्टर्स का नाम लिया और उन्हें डोप टेस्ट करवाने का कहा। इसके बाद निर्देशक अनुभव सिन्हा ने कंगना के इस ट्वीट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए जवाब दिया। अनुभव सिन्हा ने अपने ट्वीट में बिना कंगना का नाम लिए कहा,जो कोई भी कह रहा है कि इंडस्ट्री में 90 फीसदी लोग ड्रग्स लेते हैं,वह खुद ड्रग्स पर होगा। यहां तक कि ड्रग्स इंडस्ट्री में भी ये प्रतिशत कम है। कम प्रतिशत होने की बात कर रहे हैं। ठीक है इसे रहने दें। अपने इस ट्वीट में भले ही अनुभव सिन्हा ने किसी का नाम नहीं लिया लेकिन कंगना की तरफ ही उनका इशारा था। फिर उसके बाद कंगना ने इसका जवाब देते हुए ट्वीट किया और कहा, मैंने ज्यादातर हाई प्रोफाइल पार्टीज और बड़े सफल सितारों के करीबी सर्कल की बात की है। मुझे इसमें कोई शक नहीं है कि आप जैसे लोगों को कभी भी उन पार्टियों के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है क्योंकि वो ड्रग्स महंगे होते हैं। 99 फीसदी कलाकार ड्रग्स लेते हैं और मैं इसकी गारंटी देती हूं। हालांकि कंगना रनौत ने इससे पहले भी एक ट्वीट किया था जिसमें उन्होंने बॉलीवुड एक्टर्स रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, विक्की कौशल और निर्देशक अयान मुखर्जी पर ड्रग्स को लेकर साधा निशाना था। कंगना ने अपने इस ट्वीट में लिखा था कि, मैं रणवीर सिंह, रणबीर कपूर, अयान मुखर्जी और विक्की कौशल से अपील करती हूं कि वो अपना ड्रग टेस्ट करवाएं। ऐसी अफवाह है कि ये सभी कोकीन लेते हैं। अगर इन सभी का टेस्ट ठीक आता है तो ये कई लोगों को प्रेरणा दे सकते हैं। साथ ही पीएमओ को भी एक्ट्रेस ने टैग किया। कंगना रनौत के 99 प्रतिशत वाले ड्रग ट्वीट पर अनुभव सिन्हा के अलावा रवीना टंडन ने भी आड़े हाथों लेते हुए ट्वीट किया। रवीना ने ट्वीट में किसी का नाम नहीं लिया लेकिन उन्होंने लिखा, सब जानते हैं, 99 प्रतिशत जज, नेता, बाबू, अधिकारी और पुलिस भ्रष्ट होते हैं। यह बयान सबके लिए जेनरिक डिस्क्रिप्शन नहीं है। लोग समझदार हैं, उनमें अच्छे या बुरे का अंतर होता है। कुछ खराब सेब पूरी टोकरी को खराब नहीं करते हैं। इसी तरह हमारी इंडस्ट्री में भी अच्छे और बुरे लोग हैं।

भाबीजी घर पर है : बिपाशा बसु और वरूण धवन भी भाबीजी के दीवाने

बिपाशा बसु और वरूण धवन भी भाबीजी के दीवाने... रोहिताश्व गौर ने लापतागंज और हम आपके हैं कौन जैसे शो में अपनी सही कॉमिक टाइमिंग के साथ हमें गुदगुदाया है। वर्तमान में वे भाबीजी घर पर हैं में मनमोहन तिवारी के रूप में देखे जा रहे हैं। अभिनेता ने स्वीकार किया कि हालांकि वे एक कॉमेडी शो में काम कर रहे हैं, फिर भी माहौल महामारी के कारण काफी निराशाजनक हो गया है। उन्होंने स्वीकार किया कि स्थिति अब बहुत बेहतर हो गई है, लेकिन शुरू में, कलाकार और क्रू थोड़ा आशंकित थे। कोविड 19 के ब्रेक के बाद जब हमने पहली बार भाबीजी घर पर हैं' की शूटिंग शुरू की थी, तो शुरू में यह काफी डरावना था, अब यह थोड़ा बेहतर हो गया है। हर कोई एक-दूसरे से दूरी बनाए रखने की कोशिश कर रहा था। धीरे-धीरे, चीजें पटरी पर लौट रही हैं। लेकिन हां, मुझे मानना चाहिए कि सेट पर पहले की तरह खुश और ऊर्जावान माहौल नहीं है। यह अब पूरी तरह से अलग माहौल है, पहले हम सभी एक साथ इतना मजा करते थे, जो अब गायब हो गया है। उन्होंने कहा। उन्होंने आगे कहा, हम सभी शूटिंग कर रहे हैं, लेकिन वह आनंद गायब है। महामारी ने बहुत निराशाजनक माहौल पैदा किया है। लेकिन सौभाग्य से, हमारे दृश्य और संवाद इतने अच्छे लिखे गए हैं और यहां तक कि अभिनेता भी इतने शानदार कलाकार हैं कि वे हर दृश्य को बेहतरीन बनाते हैं। क्योंकि यह एक कॉमेडी शो है, इसलिए हमें कई रीटेक नहीं करने पड़ते हैं और यह सब खूबसूरती से सामने आता है। हालांकि, मैं स्वीकार करूंगा कि वर्तमान कोविड 19 परिस्थिति के कारण सब कुछ अलग लगता है। उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही सब कुछ सामान्य हो जाएगा और कहा, जो मज़ा और खुशी हमें घेर रही है वह अब नहीं है। लेकिन मैं खुद को आशावादी रख रहा हूं और विश्वास करता हूं कि यह भी बीत जाएगा। 2016 में, शो का एक विशेष खंड भाबीजी घर पर है शनिवार स्पेशल शुरू किया गया था जिसमें मशहूर हस्तियों ने सेट का दौरा किया था। रोहिताश्व, बिपाशा बसु से मिलना याद करते हुए कहते हैं, बिपाशा बसु की माँ को हमारा शो बहुत पसंद है। बिपाशा ने हमें यह तब बताया जब वह करण के साथ सेट पर गई थीं। हमने उनके साथ एक एपिसोड किया। हमारे साथ शूट करने के लिए बहुत उत्साहित थे और उन्होंने यह कहकर हमें शाबाशी दी कि ऐसे अच्छे टीवी एक्टर्स कम हैं जिनकी कॉमिक टाइमिंग इतनी धमाकेदार है। सिर्फ बिपाशा और उनका परिवार ही नहीं, वरुण धवन और उनके पिता डेविड धवन को भी शो पसंद है। हम्टी शर्मा की दुल्हनिया अभिनेता ने शो के सेट का दौरा किया था और कलाकारों की प्रशंसा की थी।

रिया के पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती भी करते हैं ड्रग्स का सेवन, बेटे शौविक की ड्रग डीलर के साथ व्हाट्सएप चैट आई सामने

सुशांत सिंह राजपूत की मौत का मामला लगातार सुलझने की जगह उलझता हुआ दिखाई देता है। अब इस केस में अलग ही ट्विस्ट सामने आ रहा है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो इस केस की जांच ड्रग्स का एंगल सामने आते ही जुटी हुई है।

 सुशांत सिंह राजपूत की गर्लफ्रेंड और बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने बताया था कि ड्रग्स का सेवन सुशांत करते थे। इसी बीच रिया चक्रवर्ती के भाई शौविक चक्रवर्ती पर भी अब इस मामले में एनसीबी का शिकंजा कसते हुए नजर आ रहा है। शौविक चक्रवर्ती का ड्रग्स कनेक्शन इस मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने पाया है। शौविक और एक ड्रग डीलर के बीच 1 सितंबर को व्हाट्सएप पर चैट हुई थी जो एनसीबी को मिली है। शौविक पित के लिए 'बूम'इस चैट में बात करते दिख रहे हैं। बता दें कि ड्रग्स होता है बूम है।मीडिया खबरों के अनुसार, ड्रग डीलर को शौविक ने लिखा था कि, भाई मुझे बूम चाहिए,डैड मांग रहे हैं। मैंने देखा ही नहीं कि उनका माल खत्म हो गया है। ड्रग डीलर इसके जवाब में लिखता है कि, मेरे पास स्टॉक खत्म हो गया है। मैं कल तुम्हें दे पाऊंगा। लेकिन इस चैट से यह पता नहीं चला पाया है कि ड्रग्स का इस्तेमाल क्या शौविक के पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती करते हैं। मुंबई से जैद विलात्रा नामक शख्स को एनसीबी ने गिरफ्तार किया था। जब उससे पूछताछ की गई तो उसने बताया कि बासित परिहार और सूर्यदीप मल्होत्रा से वह संपर्क में था। शौविक चक्रवर्ती से यह दोनों लोग बात करते थे। अब शौविक और इन दोनों लोगों की चैट भी जांच टीम को मिल गई है। सूत्रों के हवाले से नोटिस भी शौविक चक्रवर्ती और सैमुअल मिरांडा को मिल सकता है। सैमुअल मिरांडा को शौविक ने जैद का मोबाइल नंबर 17 मार्च 2020 को भेजा था। 10 हजार रूपए पांच ग्राम ड्रग्स के उन्होंने देने के लिए कहा था। इसी बातचीत के बाद से जैस से संपर्क में सैमुअल मिरांडा आया था। 17 मार्च के दिन जैद और सैमुअल मिरांडा की लोकेशन सेम थी यह मोबाइल लोकेशन से पता चला है।

आधी रात को अमिताभ बच्चन ने किया यह पोस्ट

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन को भी कोरोना ने अपनी चपेट में ले लिया था। वैसे अब तो वह कोरोना से उबर चुके हैं। कोरोना वायरस के चलते लॉकडाउन में सोशल मीडिया पर बिग बी काफी एक्टिव रहे हैं। हाल ही में एक तस्वीर सोशल मीडिया पर अमिताभ बच्चन ने साझा की। दरअसल मिड नाइट स्नैक की उन्होंने यह तस्वीर पोस्ट की है। कई सिलेब्स ने उनके इस पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। इस पोस्ट के साथ अमिताभ बच्चन ने कैप्शन में लिखा, रात को 12 बजे जो इस खाने का मजा है, वो कहीं और नहीं। बिग बी के इस पोस्ट को शेयर करने के बाद कुछ सितारों ने मजेदार कमेंट्स किए। कृति सैनन ने कमेंट में लिखा, मेरा फेवरिट, जबकि रणवीर सिंह ने लिखा, ओह बच्चन साहब!!।ज़फ़र ये क्या कर रहे हो आपवहीं मौनी रॉय ने कमेंट में लार टपकने वाली इमोजी बनाई।हाल ही में बिग बी कोरोना से रिकवर हुए हैं। अब दोबारा काम पर वह काम पर पहुंच गए हैं।

ब्लू लिपस्टिक लगाकर सारा अली खान ने लहरों के बीच दिए गजब के पोज

कुछ ही समय पहले बॉलीवुड में अपने कदम रखने वाली अभिनेत्री सारा अली खान केवल एक्टिंग में ही नहीं बल्कि सोशल मीडिया क्वीन भी हैं। सारा अक्सर अपनी कई एक से बढ़कर एक लेटेस्ट तस्वीरें और वीडियोज फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस हाल ही में गोवा वेकेशन से वापस आई हैं और अब मुंबई में शूटिंग में थोड़ा बिजी चल रही हैं। सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहने वाली सारा अली खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ नई तस्वीरें साझा की हैं। मगर सारा की इन फोटोज में कुछ हटकर है तो वो उनका लिपस्टिक का कलर है। अदाकारा अपनी तस्वीरों में गाढ़े नीले रंग की लिपस्टिक लगाई हुई दिख रही हैं इसके साथ ही वो समुद्र के किनारे खड़े होकर जबरदस्त पोज भी दे रही हैं। सारा अली खान ने अपनी फोटो शेयर करके लिखा, बैक टु ब्लू। वैसे इन तस्वीरों में सारा के अलावा एक और शख्स भी नजर आ रहा है। अब सारा की ब्लू लिपकलर में फोटो देख फैंस काफी ज्यादा हैरान हैं और सारा के नीले रंग की लिपस्टिक लगाने पर तरह-तरह के कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा,आपकी लिपस्टिक बहुत अजीब है,मगर अलग है। सारा की इन तस्वीरों को देखकर आमिर खान की बेटी इरा ने लिखा कि उन्हें उनकी लिपस्टिक बहुत पसंद आई। बता दें कि सारा अली खान के पास इन दिनों कई सारी फिल्में हैं,जो एक के बाद एक लाइन से रिलीज होंगी। सारा अली खान और वरूण धवन की फिल्म कुली नंबर 1 बनकर पूरी तरह तैयार है,लेकिन कोरोना महामारी के कारण यह फिल्म मई के महीने में रिलीज नहीं हो पाई और फिल्म की डेट को आगे के लिए टालना पड़ा। वहीं अब खबर यह भी है कि कुली नंबर 1 को हो सकता है ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज कर दिया जाए। इस फिल्म के अलावा सारा अली खान खिलाड़ी अक्षय कुमार के साथ आनंद एल राय की फिल्म अतरंगी रे में भी नजर आएंगी। फिल्म में साउथ के सुपरस्टार धनुष भी लीड रोड में दिखाई देंगे।

कंगना रनौत ने की पीओके से मुंबई की तुलना

बॉलीवुड क्वीन कंगना रनौत और शिवसेना नेता संजय राउत के बीच पहले तो जुबानी जंग हुई जिसके बाद इसकी चिंगारी दूर तक जा फैली है। दरअसल कंगना का कहना है कि उन्हें मुंबई पुलिस से बहुत डर लगता है। वहीं कंगना के इसी बयान पर संजय राउत ने बताया कि यदि उन्हें मुंबई में डर लगता है तो वापस नहीं आना चाहिए। इसके बाद कंगना ने जवाब देते हुए कह दिया कि मुंबई पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की तरह क्यों लग रहा है। इस तरह के बयान के बाद से ही कंगना पर चौतरफा हमला हो रहा है। इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ अब खूब ट्वीट्स भी किए जा रहे हैं और उनकी इस बात पर ही कई बॉलीवुड स्टार्स ने भी ट्वीट किया है। कंगना ने अपने ट्वीट में लिखा, शिवसेना नेता संजय राउत ने मुझे खुली धमकी दी है और कहा कि मैं मुंबई वापस ना आऊं। सबसे पहले मुंबई की सड़कों में आजादी के नारे लगे इसके बाद खुली धमकियां मिलने लगी। आखिर मुंबई पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के तरह नजर आ रहा है। इसके बाद कंगना ने एक और ट्वीट किया और लिखा एक बड़े स्टार की मौत हो जाने के बाद मैंने ड्रग और फिल्म माफिया के रैकेट को लेकर आवाज उठाई। वैसे में मुंबई पुलिस पर कोई भरोसा नहीं करती हूं,क्योंकि उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत की शिकायत को नजरअंदाज कर दिया था,तब उन्होंने सबसे यह भी कहा था कि वो लोग उसे मार देंगे। बावजूद इसके उन्हें मार दिया गया है। मैं अपने आप को अब सुरक्षित महसूस नहीं करती हूं, तो क्या इसका मतलब अब ये हुआ कि मैं फिल्म इंडस्ट्री या मुंबई से नफरत करने लगी हूं। दीया मिर्जा ने ट्वीट करके कहा,मुंबई मेरी जान है और यहां पर मैं तकरीबन 20 सालों से रह रही हूं,जबकि इतने ही साल मुझे यहां काम करते हुए हो गए हैं। मैं यहां पर अपने दम पर 19 साल की उम्र में आई थी। इतना ही नहीं इस शहर ने मुझे ढेर सारा प्यार भी दिया और मुझे सुरक्षित भी रखा। एक महानगर,विविधता से भरा सुंदर शहर।वहीं स्वरा भास्कर ने ट्वीट करके लिखा मुंबई में रहकर पिछले एक दशक से स्वतंत्र रूप से काम करने वाली एक बाहर की महिला के लिए सिर्फ और सिर्फ यही कहना चाहती हूं कि मुंबई रहने और काम करने के लिए सबसे आसान और सुरक्षित शहरों में से एक है। इसके अलावा स्वरा ने मुंबई को सेफ रखने के लिए मुंबई पुलिस का शुक्रिया अदा भी किया। वहीं एक्टर सोनू सूद और रितेश देशमुख ने भी ट्वीट किया है। रितेश देशमुख ने लिखा मुंबई हिंदुस्तान है। वहीं सोनू सूद ने लिखा मुंबई यह शहर तकदीरें बदलता है,अगर सलाम करोगे तभी सलामी मिलेगी। रेणुका शहाणे ने ट्वीट करके लिखा, प्रिय कंगना रनौत मुंबई ऐसा शहर है जहां आपके बॉलीवुड स्टार बनने का सपना पूरा हुआ है। लोग आपसे इस शहर का सम्मान करने की उम्मीद करते हैं। आप मुंबई की तुलना पीओके से कैसे कर सकती हैं।बता दें कि कंगना रनौत दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह मौत के बाद से सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव हैं और इस मामले में वह आए दिन कभी बॉलीवुड स्टार्स को लेकर निशाना साध रही हैं तो कभी मुंबई पुलिस के कामकाज पर सवाल उठा रही हैं। दरअसल कंगना ने आरोप लगाया था कि मुंबई पुलिस ने कुछ ऐसे ट्वीट्स को लाइक किया है,जिसमें कंगना के बारे में बहुत गलत बयान दिए गए हैं।

कार्तिक आर्यन के दो सुपरहिट फिल्मों की सीक्वल

पक्की,सनी सिंह ने किया कन्फर्म

कार्तिक आर्यन की फिल्म 'सोनू के टीटू की स्वीटी'सुपरहिट रही थी। यह फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में मुख्य किरदार में कार्तिक आर्यन, नुसरत भरूचा और सनी सिंह नजर आए थे और दर्शकों के साथ क्रिटिक्स का भी फिल्म ने दिल जीता था। 100 करोड़ क्लब में इस फिल्म ने जगह बनाई थी। हालांकि इंडस्ट्री में स्टारडम कार्तिक आर्यन को इसी फिल्म ने दिलाया था। सबसे ज्यादा पसंदीदा फिल्मों में कार्तिक आर्यन की यह फिल्म का नाम भी शुमार है। इसी बीच एक वेब पोर्टल को सनी सिंह ने कन्फर्म कर दिया है कि फिल्म 'सोनू के टीटू की स्वीटी'का सीक्वल बन रहा है साथ ही 'प्यार का पंचनामा 3' भी लव रंजन के दिमाग में है। वेब पोर्टल से बातचीत के दौरान अपने कमर्शल और फ्यूचर प्रॉजेक्ट्स पर सनी सिंह ने बात करते हुए कहा कि, लव सर के दिमाग में चीजें चल रही हैं। टाइम डिसाइड होना बाकी है लेकिन सोनू के टीटू की स्वीटी का सीक्वल जरूर बनेगा जबकि प्यार का पंचनामा की तीसरी इंस्टॉलमेंट देखने को मिलेगी।

कंचन उजाला हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357

Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारों एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।